शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 251 | गुवाहाटी | शनिवार, 18 अप्रैल, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

तेलंगाना : 12 लाख लोगों ने नहीं चुनी कोई जाति, सर्वे में खुलासा पेज 2
उज्ज्वला लाभार्थियों को जल्द कराना होगा ई-केवाईसी नहीं तो रसोई गैस आपूर्ति... पेज 3
बिहार में सत्ता परिवर्तन के साथ ही सुबह सुबह कई जेलों में एक साथ छापेमारी पेज 5
टी20 विश्वकप में कनाडा-न्यूजीलैंड मैच में फिक्सिंग के आरोपों की जांच... पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

हमारा कर्तव्य हैं की हम हर उस व्यक्ति का हौंसला बढ़ाए, जो अपने ऊंचे विचारों पर जीवन व्यतीत करने के लिए संग्रह कर रहा है।

– स्वामी विवेकानंद

लोस में गिरा महिला आरक्षण बिल

सरकार को नहीं मिला दो तिहाई बहुमत

नई दिल्ली। महिला आरक्षण अधिनियम से संबंधित संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026, परिसीमन विधेयक, 2026 और संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026 पर सदन में चर्चा हुई। उसके बाद 131वें संविधान संशोधन पर चर्चा के बाद बिल पर वोटिंग हुई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में बताया कि प्रश्न यह था कि संशोधन पर विचार किया जाए। हां के पक्ष में 298 और ना के पक्ष में 230 वोट पड़े। प्रस्ताव संविधान के अनुच्छेद 358 के अनुसार कुल सदस्यों के बहुमत के द्वारा कम से कम दो तिहाई बहुमत से पारित नहीं हुआ। इस तरह से 131वां संशोधन विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हुआ। इसके साथ ही संसदीय राज्य मंत्री किरेन रिजिजू ने एलान किया कि और दो बिल पर सदन में आगे चर्चा नहीं होगी। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं को अधिकार देकर रहेगी। इसके साथ ही लोकसभा अध्यक्ष ने लोकसभा की कार्यवाही शनिवार सुबह 11 बजे तक स्थगित करने का एलान किया। इस तरह से महिला आरक्षण विधेयक से जुड़ा 131वां संविधान संशोधन बिल संसद में पारित नहीं हो गया। बिल के पक्ष में 298 वोट और विपक्ष में 230 वोट पड़े। इस दौरान लोकसभा में 489 सांसदों ने वोट डाले। चूंकि यह संविधानिक विधेयक था, इसलिए विधेयक को पारित करने के लिए दो-तिहाई बहुमत की जरूरत थी। सदन में 489 सांसद उपस्थित थे। इस हिसाब से दो तिहाई 326 होता है। इस तरह बहुमत नहीं मिलने की वजह से यह विधेयक पास 28 वोट से गिर गया। 11 सालों के मोदी सरकार के शासन में यह पहला मौका जब सरकार सदन में कोई विधेयक पारित नहीं करवा पाई। इससे पहले चर्चा पर हुई बहस का जवाब देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष का आरोप लगाया कि विपक्ष -शेष पृष्ठ दो पर

असम में अतिक्रमणकारियों को हिरासत में लिए जाने पर भीड़ हिंसक, वन विभाग के कार्यालय में लगाई आग

चिरांग एवं कोकराझाड़ में इंटरनेट सेवा निलंबित

कोकराझाड़ (एजे /हि.स.)। असम के चिरांग जिले में शुक्रवार को हिंसा की घटना सामने आई है। यहां आरक्षित वन भूमि पर अवैध कब्जे के आरोप में कुछ स्थानीय लोगों को हिरासत में लेने के बाद भीड़ ने रुनीखाता रेंज कार्यालय पर हमला कर दिया। इस हमले में वन विभाग के कई कर्मचारी घायल हुए हैं। यह घटना भूटान सीमा के पास स्थित वन कार्यालय की है। गुस्साए लोगों ने न केवल दफ्तर में तोड़फोड़ की, बल्कि परिसर के अंदर खड़ी सरकारी गाड़ियों को भी आग के हवाले कर दिया। भीड़ ने दफ्तर के फर्नीचर को सड़क पर निकालकर जला दिया और पत्थर रखकर रास्ता जाम करने की कोशिश की। तनाव की शुरुआत गुरुवार को हुई थी। यहां वन विभाग की टीम ने रिपू-चिरांग रिजर्व फॉरेस्ट में अवैध रूप से पेड़ काटने और जमीन साफ करने के आरोप में कुछ लोगों को पकड़ा था। यह इलाका सिखना जहलाओ नेशनल पार्क के अंतर्गत आता है। इसके बाद गुरुवार रात को भी भीड़ ने दफ्तर का घेराव कर पकड़े गए लोगों को बिना शर्त छोड़ने की मांग की थी, लेकिन उस समय कोई हिंसा नहीं हुई थी। शुक्रवार सुबह स्थिति तब बिगड़ गई जब लाठी-डंडों से लैस भीड़ ने दफ्तर पर धावा बोल दिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि वन कर्मियों ने पिछले दिन उनके साथ मारपीट की थी, जिसमें दो महिलाएं भी घायल हुई थीं। मामले में स्थानीय लोगों ने कथित मारपीट में शामिल वनकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की और नारे लगाए। इस बीच स्थानीय पुलिस और नागरिक प्रशासन स्थिति को काबू में करने की कोशिश करते रहे। मौके पर पहुंचे वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने स्थिति को काबू में करने की कोशिश की। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझाया कि वे अपनी शिकायतें प्रशासन को लिखित में दें। -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

49 दिन बाद पूरी तरह खोला गया होर्मुज स्ट्रेट

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने शुक्रवार को घोषणा की कि होर्मुज जलडमरूमध्य से सभी कमर्शियल जहाजों के गुजरने का रास्ता, सीजफायर की बाकी अवधि के लिए पूरी तरह से खोल दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि जलडमरूमध्य से जहाजों का गुजरना उसी तय रास्ते से -शेष पृष्ठ दो पर

शेख हसीना के प्रत्यर्पण का अनुरोध विचाराधीन : भारत

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के मामले में शुक्रवार को स्पष्ट किया कि इससे जुड़ी एक याचिका की समीक्षा की जा रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में शेख हसीना के मुद्दे पर कहा कि इस संबंध में एक अनुरोध विचाराधीन है, जो चल रही न्यायिक और आंतरिक कानूनी प्रक्रियाओं का हिस्सा है। -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रीम कोर्ट से पवन खेड़ा को बड़ा झटका अग्रिम जमानत देने से किया इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की ट्रांजिट बेल की अवधि बढ़ाने से इनकार कर दिया है। पवन खेड़ा पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी के खिलाफ की गई टिप्पणियों को लेकर पुलिस केस दर्ज है। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस चांदुरकर की पीठ ने उनकी याचिका खारिज कर दी, जिसके बाद खेड़ा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने अफसोस जताते हुए कहा कि क्या यह अदालत मुझे मंगलवार तक सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकती... क्या मैं कोई आतंकवादी हूं? चूंकि अदालत ने उनकी याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया तो खेड़ा की ओर से पेश हुए अभिषेक मनु सिंघवी ने पूछा कि आज शुक्रवार है, मैं सोमवार को याचिका दायर कर रहा हूं। क्या मैं कोई संगीन अपराधी हूं कि मुझे यह राहत भी न दी जाए? इसके बजाय, अदालत ने खेड़ा को गुवाहाटी हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर करने का निर्देश दिया। साथ ही पीठ ने हाई कोर्ट से यह भी कहा कि वह इस सुनवाई के दौरान की गई उसकी अपनी -शेष पृष्ठ दो पर

असम और पश्चिम बंगाल की चाय कंपनियों ने अनिवार्य नीलामी का विरोध किया, प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

गुवाहाटी। असम और पश्चिम बंगाल के चार प्रमुख चाय उत्पादक संघों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उन नियमों को वापस लेने या संशोधित करने का आग्रह किया है, जिनके तहत एक वर्ष में उत्पादित कुल चाय का कम से कम 50 प्रतिशत सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से बेचना अनिवार्य है। उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वे चाय उत्पादकों को बाजार की गतिशीलता के अनुरूप अपनी उपज की बिक्री का तरीका चुनने की स्वतंत्रता दें, और तर्क दिया कि मौजूदा नियम चाय उत्पादकों को काफी नुकसान पहुंचाता है क्योंकि इसमें कारखाने से बिक्री की तुलना में उच्च लेनदेन लागत और लंबी बिक्री चक्र शामिल हैं। असम और पश्चिम बंगाल में स्थित चार समूहों, अर्थात् असम बॉट लीफ टी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन, नॉर्थ ईस्टर्न टी एसोसिएशन, भारतीय चाय परिषद और नॉर्थ बंगाल टी प्रोड्यूसर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने दावा किया कि वे सामूहिक रूप से उत्तर भारत के चाय उत्पादन का लगभग 60 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते हैं। इसमें बताया गया कि लगभग 1,350 मिलियन किलोग्राम के कुल वार्षिक चाय उत्पादन में से, यह क्षेत्र लगभग 1,120 मिलियन -शेष पृष्ठ दो पर

टायर फटने के बाद बस से टकराई कार पांच मासूम समेत नौ लोग जिंदा जले

बंगलूरू। कर्नाटक के यादगिरि जिले में शुक्रवार को मौत का एक ऐसा तांडव देखने को मिला, जिसने हर किसी का दिल दहला दिया है। दरअसल, सुरपुर तालुक के शांतापुरा क्रॉस के पास एक कार और निजी बस की आमने-सामने की भीषण भिड़ंत हो गई। इस हादसे में कार सवार 10 लोगों में से नौ लोगों की जिंदा जलने से दर्दनाक मौत हो गई है। मरने वालों में पांच मासूम बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों से मिली शुरुआती जानकारी के मुताबिक, हादसा उस वक्त हुआ जब तेज रफ्तार कॉम्पैक्ट -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी समेत 16 लोगों को उम्रकैद

भाजपा नेता की हत्या मामले में पाए गए थे दोषी

बंगलूरू। कर्नाटक के भाजपा नेता योगेश गौड़ा हत्याकांड में सजा की अवधि (क्वांटम ऑफ सेंटेंस) को लेकर बंगलूरू की एमएलए/एमपी विशेष अदालत ने विनय कुलकर्णी समेत 16 दोषियों को हत्या और साजिश के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई। विशेष अदालत ने उन पर 30,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया। बेंगलुरु की जन प्रतिनिधि सभा की विशेष अदालत ने शुक्रवार को भाजपा नेता योगेश गौड़ा की हत्या के मामले में दोषी पाए गए कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी और अन्य आरोपियों को सजा सुनाई। विनय कुलकर्णी पूर्व मंत्री और वर्तमान में कांग्रेस विधायक हैं। अदालत ने गुरुवार को सुनवाई पूरी कर ली थी और फैसला शुक्रवार के लिए सुरक्षित रख लिया था। अदालत में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और दोषी कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी के -शेष पृष्ठ दो पर

बच्चों की हत्या के विरोध में सड़कों पर उतरे हजारों लोग, सुरक्षा बलों के साथ झड़प

इंफाल / गुवाहाटी। मणिपुर में हालात एक बार फिर तनावपूर्ण हो गए हैं। इंफाल पश्चिम जिले में हजारों लोगों ने प्रशासन के आदेशों को नजरअंदाज करते हुए मशाल जुलूस निकाला। यह जुलूस 7 अप्रैल को बिष्णुपुर जिले के त्रोंग्लाओबी में हुए बम धमाके के खिलाफ था, जिसमें दो मासूम बच्चों की जान चली गई थी। शाम करीब सात बजे सिंगजामेई इलाके से शुरू हुआ यह प्रदर्शन देखते ही देखते बड़ा रूप ले गया। लोग हाथों में मशाल लेकर सड़कों पर उतर आए और हमलावरों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग करने लगे। प्रदर्शनकारी नारेबाजी -शेष पृष्ठ दो पर

हरिवंश तीसरी बार रास के उपसभापति निर्वाचित

नई दिल्ली (हि.स.)। राज्यसभा में शुक्रवार को हरिवंश लगातार तीसरी बार उपसभापति निर्वाचित हुए। विपक्ष की ओर से कोई उम्मीदवार नहीं उतारे जाने के कारण उनका निर्वाचन निर्विरोध हुआ। इसके साथ ही वह इस पद पर लगातार तीसरी बार आसीन होने वाले सदस्य बन गए हैं। सदन की कार्यवाही की शुरुआत में नेता सदन जगत प्रकाश नड्डा और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने उन्हें आसन तक पहुंचाया और उपसभापति की कुर्सी पर बैठाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरिवंश को पुनः निर्वाचित होने पर बधाई देते हुए उच्च सदन के संचालन में उनके अनुभव और योगदान की सराहना की। वहीं, विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि वे सदन में सभी पक्षों को समान अवसर देंगे। खड़गे ने इस अवसर पर लोकसभा में -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय ब्रह्मचारी को एक और मामले में मिली जमानत

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश में चट्टोग्राम (पुराना नाम चटगांव) की एक अदालत ने प्रख्यात हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को एक मामले में जमानत प्रदान कर दी। चिन्मय ब्रह्मचारी नवंबर 2024 से सलाखों के पीछे हैं। न्यायिक मजिस्ट्रेट शखावत हुसैन ने गुरुवार को जमानत आदेश जारी किया। हिंदू संत के खिलाफ अनेक मामले दर्ज हैं। इसलिए अभी उन्हें न्यायिक हिरासत में ही रहना होगा। उन्हें चट्टोग्राम जेल में रखा गया है। इससे पहले उन्हें ढाका उच्च न्यायालय से बहुचर्चित देशद्रोह मामले में जमानत प्राप्त हो चुकी है। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, जिस मामले में हिंदू संत को जमानत प्रदान की गई है, उसे बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) नेता और पूर्व मंत्री मीर मोहम्मद नासिर उद्दीन ने 2023 में दायर किया था। उन्होंने अपनी शिकायत में ब्रह्मचारी पर हाथजारी उपजिला के मेखला इलाके में जमीन पर कब्जा करने, धमकाने और मारपीट करने का आरोप लगाया था। इस मामले में चिन्मय कृष्ण दास और पांच अन्य लोगों को आरोपी बनाया था। ब्रह्मचारी के खिलाफ वकील सैफुल इस्लाम -शेष पृष्ठ दो पर

जमीअत उलमा-ए-हिंद ने यूसीसी को धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ बताया, संघर्ष का किया एलान

नई दिल्ली (हि.स.)। जमीअत उलमा-ए-हिंद ने मदरसों को बंद करने या उनकी व्यवस्था में हस्तक्षेप करने की हर कोशिश की निंदा करते हुए हर स्तर पर कानूनी कार्रवाई और संवैधानिक संघर्ष करने का फैसला लिया है। इसके अलावा कार्यकारी समिति ने उत्तराखंड, गुजरात की समान नागरिक संहिता को धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ बताया और इसके खिलाफ शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक संघर्ष का एलान किया। कार्यकारी समिति की दो दिवसीय बैठक नई दिल्ली में जमीअत उलमा-ए-हिंद के मुख्यालय में जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी की अध्यक्षता में हुई, जिसमें देश और समाज के समक्ष मौजूद महत्वपूर्ण राष्ट्रीय, सामाजिक और संगठनात्मक मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। कार्यकारी समिति ने जमीअत उलमा-ए-हिंद की गतिविधियों को और विस्तार देने के लिए स्थाई समिति की सिफारिशों के अनुसार प्रशिक्षण विभाग, मॉडल विलेज (जन विकास सेवा), व्यापार एवं उद्योग विभाग और आदर्श मस्जिद विभाग जैसे नए विभागों की स्थापना को स्वीकृति प्रदान की। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

तेलंगाना : 12 लाख लोगों ने नहीं चुनी कोई जाति, सर्वे में खुलासा

नई दिल्ली। तेलंगाना सोशियो-इकोनॉमिक, एजुकेशनल, एम्प्लॉयमेंट, पॉलिटिकल और कास्ट (एसईईईपीसी) सर्वे 2024 के सबसे अनपेक्षित नतीजों में से एक है। नागरिकों का एक बड़ा और विविध समूह, जो खुद को नो कास्ट मानता है। लगभग 12 लाख लोगों ने पारंपरिक जाति श्रेणी में खुद को रखने से इनकार कर दिया और इसके बजाय एक सिविक पहचान चुनी, जो जाति से कहीं आगे है। अब वे तेलंगाना की 10वीं सबसे बड़ी कम्युनिटी बन गए हैं। सर्वे का डेटा स्पष्ट प्रोफाइल दिखाता है। ये ज्यादातर शहरी, उच्च शिक्षित और प्रोफेशनल-मेरिट आधारित क्षेत्रों में काम करने वाले लोग हैं। औसत नो कास्ट हैदराबाद के बड़े मेट्रोपॉलिटन इलाके में रहने वाला एक ग्रेजुएट-एजुकेटेड प्रोफेशनल है, जो आमतौर पर आईएएस या आईपीएस जैसी एलीट सरकारी सेवाओं में या सॉफ्टवेयर, बीपीओ और मेडिसिन जैसे शहरी निजी क्षेत्र में कार्यरत है। उनका परिवार मध्य से उच्च-मध्य आय वर्ग का है, पक्के मकानों में रहता है और सार्वजनिक कल्याण योजनाओं पर बहुत कम निर्भर है। हालांकि, ये सार्वजनिक रूप से जाति-न्यूट्रल हैं, फिर भी 43 प्रतिशत का दावा है कि उनके पास जाति प्रमाण-पत्र है और 13.5 प्रतिशत ने पहले आरक्षण का लाभ उठाया भी हो सकता है। उनकी प्रोफाइल जाति से जुड़ी पारंपरिक राहों से ऊपर उठकर संस्थागत और प्रोफेशनल क्षेत्रों में पहुंचने की कहानी बताती है, जहां जाति-न्यूट्रलता चुनिंदा रूप से अपनाई जाती है, लेकिन पूरी तरह संरचनात्मक रूप से नहीं। तेलंगाना एसईईईपीसी सर्वे ने पहली बार नो कास्ट नाम की नई वर्गीकरण श्रेणी शुरू की और इसे कोड 999 दिया। हालांकि इसे अन्य पिछड़ी या जनरल कैटेगरी के अंतर्गत रखा गया है, फिर भी समाजशास्त्रीय रूप से यह एक अलग सामाजिक समूह को दर्शाता है। यह शामिली एक रिट याचिका के जवाब में की गई थी, जिसमें नो कास्ट, नो रिलिजन और नो सोशल कैटेगरी जैसी जाति-न्यूट्रल श्रेणियों को मान्यता देने की मांग की गई थी। हाई कोर्ट के अंतरिम निर्देश और कई प्रतिनिधित्वों के आधार पर, सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 15(1) के अनुसार नो कास्ट एंड नो रिलिजन श्रेणी को गिनती मैनुअल में शामिल किया। नो कास्ट पहचान का 73 प्रतिशत से अधिक हिस्सा ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की सीमा में रहता है, जबकि 13 प्रतिशत आस-पास के जिलों में है। निजामाबाद, निर्मल और हनमकोंडा में कम प्रतिनिधित्व है, जबकि खम्मम, कामारेड्डी और सिद्दीपेट जैसे ग्रामीण जिलों में यह सबसे कम है। यह पैटर्न साफ बताता है कि नो कास्ट पहचान गुमनामी, एक्सपोजर और शहरी बदलते सामाजिक माहौल के कारण संभव हो पाती है। नो कास्ट समूह की एक खास बात यह है कि सुरक्षित और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों में इसका काफी बड़ा हिस्सा है। ओसी, बीसी, एससी और एसटी समूहों की तुलना में नो कास्ट वाले लोग अपनी 3.4 प्रतिशत आबादी के अनुपात से कहीं ज्यादा ऊंचे पदों पर हैं। वे आईएएस/आईपीएस (22.9 प्रतिशत), अन्य केंद्रीय सरकारी पदों (13.2 प्रतिशत) और जजों (9.3 प्रतिशत) जैसी टॉप-टियर सेवाओं में खासतौर पर ज्यादा प्रतिनिधित्व रखते हैं।

अब पवन खेड़ा का असम में सरेंडर ही विकल्प : सीएम डॉ. शर्मा

गुवाहाटी /नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को कानून के सामने आत्मसमर्पण कर गुवाहाटी में पेश होना चाहिए, क्योंकि भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री की पत्नी से जुड़े आरोपों वाले एक मामले में खेड़ा की पारगमन जमानत की अवधि बढ़ाने से इनकार कर दिया है। 17 अप्रैल को उत्तर दिनाजपुर में एएनआई से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि मुझे लगता है कि पवन खेड़ा को कानून के सामने आत्मसमर्पण कर देना चाहिए। उन्हें गुवाहाटी आकर आत्मसमर्पण करना चाहिए। इसी दिन इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने खेड़ा की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा मंगलवार तक दी गई उनकी पारगमन जमानत को बढ़ाने की मांग की गई थी। यह विस्तार इसलिए मांगा गया था ताकि खेड़ा असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी रिनिकी भुईयां शर्मा के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के मामले में असम की किसी संबंधित अदालत में अपील कर सकें। असम पुलिस ने तेलंगाना उच्च न्यायालय के उस फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी थी जिसमें खेड़ा को 10 अप्रैल से एक सप्ताह की अग्रिम जमानत कुछ शर्तों के साथ दी गई थी। जमानत आदेश के अनुसार, खेड़ा को संबंधित कानूनी राहत पाने के लिए असम की सक्षम अदालत में जाना आवश्यक था। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने पासपोर्ट और संपत्ति संबंधी खुलासों के आरोपों से जुड़े मामले में रिनिकी भुईयां शर्मा द्वारा दायर मुकदमे में एक सप्ताह की अग्रिम जमानत मंजूर की थी।

दार्जिलिंग रेलवे स्टेशन पर मेगा एसवीईईपी कार्यक्रम में वोट के महत्व को किया उजागर

गुवाहाटी (हिंस)। मतदाताओं में जागरूकता और लोकतांत्रिक भागीदारी को मजबूत करने के एक अनोखे और सहयोगात्मक प्रयास के तहत, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने अपने हेरिटेज स्थल, दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (डीएचआर) के माध्यम से दार्जिलिंग के जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के साथ मिलकर शुक्रवार को एक *मेगा एसवीईईपी* (सिस्टमेटिक वोटर्स एजुकेशन एंड इलेक्टोरल पार्टिशिपेशन) कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य पश्चिम बंगाल विधानसभा (डब्ल्यूबीएलए), 2026 के आगामी आम चुनावों में सूचित और समावेशी भागीदारी को प्रोत्साहित करना था। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने शुक्रवार को बताया कि इस कार्यक्रम के तहत, गतिविधियों का एक प्रमुख चरण प्रतिष्ठित दार्जिलिंग रेलवे स्टेशन पर आयोजित किया गया। स्टेशन परिसर में रेल अधिकारियों, जिला प्रशासन और आम नागरिकों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया और सभी ने एक जीवंत लोकतांत्रिक व्यवस्था में हरेक वोट के महत्व को बढ़ावा देने में एकजुटता का परिचय दिया।

लॉरेंस के नए गुर्गे ने पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष को दी धमकी, दो करोड़ की मांगी फिरौती

जोधपुर (हिंस)। कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई का एक नया गुर्गा सामने आया है, जिसका नाम टाइसन विश्नोई है। टाइसन ने जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष सुनील चौधरी को गुरुवार को जान से मारने की धमकी देकर दो करोड़ रुपए की फिरौती मांगी है। टाइसन विश्नोई ने खुद को लॉरेंस गैंग का सदस्य बताते हुए यह धमकी दी है। इसको लेकर सुनील चौधरी ने रातानाडा थाने में रिपोर्ट दी है। थानाधिकारी दिनेश लखावत ने बताया कि अयोध्याराज अपार्टमेंट पीडब्ल्यूडी कॉलोनी के पास रहने वाले सुनील चौधरी पुत्र पूनाराम ने मामला दर्ज कराया है। इसमें बताया कि उसके मोबाइल पर गुरुवार सुबह व्हॉट्सएप के जरिए एक विदेशी कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस गैंग का सदस्य टाइसन विश्नोई होना बताया और दो करोड़ की फिरौती मांगते हुए जान की धमकीं दी। टाइसन विश्नोई ने सुनील चौधरी से कहा कि दो दिन में दो करोड़ रुपए देने होंगे। वह उसकी पूरी दिनचर्या जानता है। रुपए नहीं दिए तो कभी भी मार देगा। थानाधिकारी ने बताया कि धमकी देकर फिरौती मांगने का मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की पड़ताल की जा रही है। टाइसन विश्नोई ने जिस नंबर से चौधरी को व्हाट्सएप कॉल किया, उस नंबर का कोड दक्षिण अमेरिकी शहर वर्जीनिया का था। हालांकि यह अभी जांच का विषय है कि कॉल वहां से ही की गई है या नहीं। लॉरेंस विश्नोई गिरोह के सदस्यों ने पहली बार जोधपुर में 2017 में एक डॉक्टर व एक ट्रैवलर के घर फायरिंग कर एंट्री ली थी। इसके बाद पुलिस ने कई लोगों को पकड़ा। लॉरेंस के ही एक गुर्गे ने जोधपुर में वासुदेव इसरानी की हत्या कर दी थी, जिसके आरोप में जोधपुर पुलिस पंजाब से लॉरेंस को लेकर आई थी और उसे जोधपुर जेल में रखा गया था। इस दौरान कई स्थानीय अपराधी जोधपुर जेल में थे, जिनका पहले लॉरेंस और बाद में उसके भाई अनमोल से सीधा संपर्क हो गया। जिसके बाद जोधपुर, फलोदी, बीकानेर इलाके में नेटवर्क बन गया। लॉरेंस विश्नोई गैंग के नाम से लोगों को डराकर रंगदारी वसूलने के लिए जोधपुर में धमकियां आती रहती हैं। इस वर्ष चार लोगों से वसूली के लिए धमकियां दी गई हैं।

सीएम घोषणाओं पर जल्द किया जाए काम शुरू : डॉ. मिड्ढा

जींद (हिंस)। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि विकास रैली के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा किया जाए ताकि आमजन को जल्द से जल्द सुविधाओं का लाभ मिल सके। हमारा लक्ष्य जींद को प्रदेश के अग्रणी जिलों की पंक्ति में खड़ा करना है। इसके लिए शहर और ग्रामीण क्षेत्र दोनों में संतुलित विकास कार्य करवाए जाएंगे। डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण मिड्ढा शुक्रवार को सीएम घोषणाओं के क्रियान्वयन को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक ले रहे थे। डॉ. मिड्ढा ने अधिकारियों को कहा कि जींद शहर के पालिका बाजार को स्मार्ट बाजार के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए संबंधित अधिकारी अन्य विभागों के साथ तालमेल कर इस महत्वपूर्ण कार्ययोजना को जल्द पूरा करवाएं। उन्होंने शहर की सड़कों को दुरूस्त करने, बाईपास और शहर में स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को निरंतर बनाए रखने तथा मेडिकल कॉलेज में पेयजल, सड़क, सीवरेज और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन भी ठेकेदारों द्वारा करवाए जा रहे निर्माण कार्य बंद पड़े हैं, ऐसे संबंधित सभी ठेकेदारों को नोटिस जारी किए जाएं। डिप्टी स्पीकर ने वेगी योजना के तहत विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों में तेजी लाने, शहर के पार्कों में मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने तथा देवीलाल चौक के पास रेलवे भूमि के सौंदर्यकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विकास कार्यों का जल्द ही निरीक्षण किया जाएगा।

पृष्ठ एक का शेष

लोस में गिरा महिला ...

पर आरोप लगाते हुए कहा कि अगर विपक्ष वोट नहीं देगा तो यह विधेयक गिर जाएगा, लेकिन देश की महिलाओं को पता चल जाएगा कि उनके रास्ते का रोड़ा कौन है। देश की महिलाएं देख रही है कि कौन महिला आरक्षण का विरोध कर रहा है। इन संशोधित विधेयकों पर लोकसभा में 21 घंटे चर्चा हुई। चर्चा में कुल 130 सांसदों ने हिस्सा लिया और इनमें 56 महिला सांसद थीं। संविधान संशोधन बिल के अनुसार, 2011 की जनगणना के आधार पर डिलिमिटेशन के बाद, 2029 के संसदीय चुनावों से पहले महिला आरक्षण कानून को *ऑपरेशनलाइज* करने के लिए लोकसभा सीटों को मौजूदा 543 से बढ़ाकर ज्यादा से ज्यादा 850 किया जाना था। महिलाओं के लिए 33 परसेंट आरक्षण को शामिल करने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में भी सीटें बढ़ाई जानी थीं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने महिला आरक्षण विधेयक गिरने के बाद कहा कि यह महिला आरक्षण विधेयक नहीं था बल्कि चुनावी ढांचे को बदलने की कोशिश थीज्यह संविधान पर आक्रमण था। इसे हमने हरा दिया है।

असम में अतिक्रमणकारियों को ...

पुलिस अधिकारी ने लोगों से अपील की कि वे रास्ता साफ करें और प्रशासन को जांच के लिए समय दें। उन्होंने साफ कहा कि सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाना किसी भी समस्या का हल नहीं है। उधर असम सरकार ने चिरांग जिले के रुनीखाता में फैंली हिंसा के बाद चिरांग और कोकराझाड़ जिलों में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह निर्णय 16 अप्रैल की देर रात और शुक्रवार सुबह चिरांग जिले के रुनीखाता क्षेत्र में हुई हिंसक झड़पों के बाद लिया गया है। सरकारी अधिसूचना के अनुसार, वन विभाग द्वारा चलाए गए निष्कासन अभियान के दौरान 25 आदिवासी व्यक्तियों को हिरासत में लिए जाने के बाद लोगों में आक्रोश फैल गया। स्थिति उस समय और गंभीर हो गई जब प्रदर्शनकारियों और वन कर्मियों के बीच टकराव हुआ। इसमें सरकारी वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया और रेंज अधिकारी के कार्यालय को भी जलाने का प्रयास किया गया। कुछ स्थानों पर फायरिंग की घटनाएं भी सामने आई हैं। सरकार ने आशंका जताई है कि इस घटना के चलते सार्वजनिक शांति भंग हो सकती है और अफवाहों के प्रसार से स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है। विशेष रूप से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे व्हाट्सएप, फेसबुक, एक्स, यूट्यूब और इंस्टाग्राम के माध्यम से भड़काऊ संदेशों के प्रसार की संभावना को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाएं अगली सूचना तक बंद रहेंगी, जबकि वॉयस कॉल और फिक्स्ड लाइन ब्रॉडबैंड सेवाएं सामान्य रूप से चालू रहेंगी। सरकार ने यह भी चेतावनी दी है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है, साथ ही स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है ताकि जल्द से जल्द सामान्य स्थिति बहाल की जा सके।

सुप्रीम कोर्ट से पवन...

टिप्पणियों से प्रभावित न हो। इसमें यह भी स्पष्ट किया गया कि असम की अदालत खेड़ा के आवेदन पर स्वतंत्र रूप से, रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री और उसके अपने गुण-दोषों के आधार पर निर्णय लेगी और सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपने पिछले आदेश में की गई किसी भी टिप्पणी से प्रभावित नहीं होगी। उन्होंने आगे यह तर्क दिया कि तेलंगाना हाई कोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा 15 अप्रैल को लगाई गई रोक खेड़ा द्वारा जमा किए गए दस्तावेजों को लेकर हुई एक गलतफहमी के आधार पर हासिल की गई थी। सॉलिसिटर जनरल के इस तर्क का जिक्र करते हुए कि हाई कोर्ट से राहत एक जाली आधार दस्तावेज का इस्तेमाल करके हासिल की गई थी, सिंघवी ने कहा कि दस्तावेज जमा करने की जल्दबाजी के कारण कुछ गड़बड़ी हो गई थी और बाद में अतिरिक्त दस्तावेजों के साथ हाई कोर्ट के सामने इस गलती को स्पष्ट कर दिया गया था। खेड़ा ने अपनी ट्रांजिट अग्रिम जमानत की अवधि मंगलवार तक बढ़ाने की मांग की थी, यह तर्क देते हुए कि असम की अदालतें इस समय बंद हैं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया और निर्देश दिया कि अग्रिम जमानत के लिए कोई भी याचिका बिना किसी देरी के असम की संबंधित अदालत में दायर की जाए।

असम और पश्चिम बंगाल...

किलोग्राम का उत्पादन करता है। शुक्रवार को सार्वजनिक किए गए प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में, चारों संगठनों ने उनसे आग्रह किया कि वे चाय (विपणन) नियंत्रण द्वितीय संशोधन आदेश, 2003 के तहत प्रभावित हितधारकों को उपयुक्त छूट या रियायत प्रदान करें। 2015 में, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने यह अनिवार्य कर दिया कि सभी पंजीकृत चाय निर्माताओं को अपने कुल वार्षिक उत्पादन का कम से कम 50 प्रतिशत भारत में सार्वजनिक चाय नीलामी के माध्यम से बेचना होगा। अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि पंजीकरण प्राधिकरण केंद्र सरकार की मंजूरी से समय-समय पर इस प्रतिशत को संशोधित कर सकता है। संघों ने पत्र में दावा किया कि सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से अनिवार्य बिक्री चाय उत्पादकों को काफी नुकसान पहुंचाती है क्योंकि इस प्रणाली में कारखाने से बिक्री की तुलना में उच्च लेनदेन लागत और लंबी बिक्री चक्र शामिल हैं। उन्होंने तर्क दिया कि चाय बोर्ड द्वारा गठित कई विशेषज्ञ समितियों ने नीलामी प्रणाली की जांच की है, और हालांकि दक्षता में सुधार के लिए सिफारिशें की गई हैं, लेकिन किसी ने भी अनिवार्य नीलामी बिक्री की वकालत नहीं की है। ऐतिहासिक रूप से, अनिवार्य नीलामी बिक्री लागू करने के प्रयास सफल नहीं रहे हैं। इस संबंध में चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश में किए गए कई संशोधन इस तरह के आदेशों से जुड़ी चुनौतियों को दर्शाते हैं, पत्र में कहा गया है। इन चारों समूहों ने पत्र में बताया कि यह आदेश भारत सरकार की व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देने की नीति के अनुरूप नहीं है। पत्र में कहा गया है कि उत्पादकों को बिक्री के सबसे कुशल और व्यवहार्य तरीके को चुनने की स्वतंत्रता होनी चाहिए, और वर्तमान आवश्यकता उद्योग पर अनुचित वित्तीय और परिचालन बोझ डालती है। इन संगठनों ने यह भी दावा किया कि सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से चाय बेचने की अनिवार्य आवश्यकता उनके मौलिक अधिकारों, विशेष रूप से व्यापार और व्यवसाय करने की स्वतंत्रता का उल्लंघन करती है।

टायर फटने के बाद बस ...

यूटिलिटी वाहन (एसयूवी) का टायर अचानक फट गया। टायर फटते ही ड्राइवर ने गाड़ी पर से नियंत्रण खो दिया और कार डिवाइडर की दूसरी तरफ से आ रही निजी बस से जा टकराई। भिड़ंत होते ही कार आग का गोला बन गई। हादसे के वक्त कार में कुल 10 लोग सवार थे। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि अंदर फंसे लोगों को बाहर निकलने का अवसर ही नहीं मिला। सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे। जिला पुलिस अधीक्षक पृथ्वी शंकर ने 9 मौतों की पुष्टि की है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस और कार, दोनों ही पूरी तरह जलकर खाक हो गए। अग्निशमन दल ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि बस में सवार सभी 20 यात्री सुरक्षित समय रहते बाहर निकलने में सफल रहे। मृतकों की शिनाख्त कृष्णा नायक (52) और उनकी पत्नी अनंत कला (45); शरणप्पा (36) और उनकी पत्नी निसर्ग (30); उनके बच्चे सिद्धार्थ (3), अद्विक (5), और श्रीनिधि (1.5); इसके अलावा शशिकला (30) और उनके बेटे चंदन (8) के रूप में हुई है। इस प्रलयकारी दुर्घटना में शशिकला का दूसरा बेटा, 10 वर्षीय विराट चमत्कारिक रूप से बच गया है। उसे गंभीर हालत में इलाज के लिए यादगिरि आयुर्विज्ञान संस्थान (आईएमएस) में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, कार सवार सभी लोग रायचूर जिले के सिरवार तालुक के रहने वाले थे। सभी लोग यादगिरि से अपने घर लौट रहे थे। वहीं, निजी बस बेंगलुरु से कलबुर्गी की ओर जा रही थी। गनीमत यह रही कि बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं और उन्हें समय रहते वाहन से बाहर निकाल लिया गया। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है।

कांग्रेस विधायक विनय...

वकीलों की अंतिम दलीलें पूरी हो गईं। इसके बाद न्यायाधीश संतोष गजानन भट्ट ने मामले को स्थगित करते हुए फैसला सुनाने के लिए शुक्रवार की तारीख तय की थी। सुनवाई के दौरान अदालत परिसर में भावुक माहौल देखने को मिला। दोषियों के परिजन बड़ी संख्या में मौजूद थे और कई लोग रोते हुए नजर आए। कुछ दोषी, जिनमें विधायक विनय कुलकर्णी भी शामिल हैं, अपने परिजनों को सांत्वना देते दिखे। गौरतलब है कि दो दिन पहले ही विशेष अदालत ने कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री विनय कुलकर्णी को भाजपा नेता और जिला पंचायत सदस्य योगेश गौड़ा की हत्या के मामले में दोषी करार दिया था। लंबे समय तक चली सुनवाई के बाद अदालत ने यह फैसला सुनाया। इस मामले में कुलकर्णी आरोपी नंबर 15 हैं और वर्तमान में कर्नाटक अर्बन वाटर सप्लाई एंड ड्रेनेज बोर्ड के अध्यक्ष हैं। अदालत ने उन्हें आपराधिक साजिश का दोषी पाया है। सुनवाई के दौरान अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल वी. राजू ने अदालत से आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह एक सुनियोजित साजिश के तहत की गई निर्मम हत्या थी और मृतक योगेश गौड़ा की हत्या राजनीतिक दुश्मनी के कारण की गई। उन्होंने यह भी बताया कि शुरुआत में कुछ अन्य लोगों ने आत्मसमर्पण किया था, लेकिन सीबीआई जांच के बाद सच्चाई सामने आई। आरोप है कि विधायक ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए पुलिस तंत्र को प्रभावित किया और सबूतों से छेड़छाड़ की कोशिश की। अभियोजन पक्ष के अनुसार, हत्या के दौरान योगेश गौड़ा की आंखों में मिर्च पाउडर डाला गया और फिर उनकी निर्मम हत्या की गई। मामले में दस्तावेजों को फर्जी बनाने और सबूत मिटाने के प्रयास भी किए गए।

बच्चों की हत्या के...

करते हुए करीब दो किलोमीटर तक मार्च करते हुए चिंगामथक तक पहुंच गए, जो मुख्यमंत्री के आवास, पुलिस मुख्यालय और लोक भवन के पास का इलाका है। हालांकि, इलाके में पहले से ही निषेधाज्ञा लागू थी, जिसके तहत शाम पांच बजे से सुबह पांच बजे तक लोगों के घर से बाहर निकलने पर रोक है। सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोका और वापस जाने को कहा, लेकिन भीड़ नहीं मानी। इसके बाद स्थिति धीरे-धीरे बिगड़ती चली गई। वहीं तनाव बढ़ने पर सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया। इस दौरान कुछ युवाओं ने पत्थरबाजी भी की, जिससे हालात और ज्यादा बिगड़ गए। झड़प में कई लोग घायल हो गए, जिनमें से कम से कम पांच को अस्पताल ले जाना पड़ा। इनमें ज्यादातर लोगों को हल्की चोटें और आंसू गैस की वजह से सांस लेने में दिक्कत हुई। अधिकारियों का कहना है कि कुछ लोग इस संवेदनशील स्थिति का फायदा उठाकर सरकार और सुरक्षा बलों के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। फिलहाल इलाके में कर्फ्यू जैसे प्रतिबंध लागू हैं और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

बांग्लादेश में हिंदू संत...

अलीफ की हत्या का मामला भी चल रहा है। उनपर कम से कम छह अन्य मामले भी विचाराधीन हैं। अदालत ने सात अप्रैल को बीएनपी नेता नासिर उद्दीन के मामले में हिंदू संत को औपचारिक रूप से गिरफ्तार करने याचिका को मंजूरी दी थी। उल्लेखनीय है कि 26 नवंबर, 2024 को राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान को लेकर राजद्रोह का मामला सामने आने के बाद हिंसा भड़क उठी थी। इस दौरान वकील सैफुल इस्लाम अलिफ की भीड़ ने पीट-पीटकर और चाकू मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद उनके पिता जमाल उद्दीन ने 31 लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया था। वकील हत्याकांड में उनकी जमानत याचिका कई बार खारिज हो चुकी है। अन्य मामलों में उन पर हत्या, पुलिस पर हमला, तोड़फोड़ और न्याय में बाधा डालने जैसे आरोप शामिल हैं। एक जुलाई, 2025 को पुलिस ने वकील सैफुल इस्लाम अलिफ की हत्या के सिलसिले में चिन्मय और 38 अन्य लोगों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था। इससे पहले दो जनवरी को अदालत ने हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की वकील हत्या के मामले में जमानत याचिका खारिज कर दी थी। चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की जासूसी शाखा ने 25 नवंबर, 2024 की शाम 4:30 बजे हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से हिरासत में लिया था। तब से ब्रह्मचारी जेल में बंद हैं। ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के विरोध में ढाका के शाहबाग और चटगांव में कई दिनों तक लोगों ने प्रदर्शन किया था। लगभग 40 वर्षीय हिंदू संत चिन्मय को देशद्रोह के गंभीर आरोप का सामना करना पड़ा रहा है। देशद्रोह के मामले में उन्हें अप्रैल 2025 में ढाका उच्च न्यायालय से जमानत मिल चुकी है। चिन्मय मूल रूप से चटगांव के सतकनिया उपजिला के रहने वाले हैं। वह 2007 से चटगांव के हथाजारी स्थित पुंडरीक धाम के प्रमुख रहे हैं। वह सनातन जागरण मंच के संस्थापक हैं। मंच ने बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न का मुद्दा प्रमुखता से उठाया है। इस घटना ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा को लेकर काफी चिंताएं पैदा की थीं। भारत सरकार ने इस पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की थी।

जमीअत उलमा-ए-हिंद ने ...

कार्यकारी समिति की बैठक में मदरसों की सुरक्षा, समान नागरिक संहिता, समाज सुधार और पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति के संबंध में भी स्पष्ट और दो-टूक रुख अपनाया गया। कार्यकारी समिति ने अपने प्रस्ताव में देश के अलग-अलग हिस्सों में इस्लामी मदरसों के खिलाफ हो रही कार्रवाईयों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया गया कि मदरसों की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप भारत के संविधान के अनुच्छेद 25, 26, 29 और 30 का उल्लंघन है। सभा में मदरसों को बंद करने या उनकी व्यवस्था में हस्तक्षेप करने की हर कोशिश की निंदा करते हुए निर्णय लिया गया कि इस मामले में हर स्तर पर कानूनी कार्रवाई और संवैधानिक संघर्ष किया जाएगा। यह भी अपील की गई कि वह अपनी दस्तावेजों, व्यवस्था और अकाउंट्स की मजबूत तैयारी करें ताकि किसी भी कानूनी चुनौती का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सके। कार्यकारी समिति ने उत्तराखंड में मदरसे चलाने के लिए लगाई गई कुछ शर्तों को खारिज करते हुए उन्हें तुरंत वापस लेने की मांग की। कार्यकारी समिति ने स्पष्ट किया कि मदरसों को किसी भी शैक्षिक बोर्ड से संबद्ध होने के लिए मजबूर करना और अध्यापकों की नियुक्ति पर अनावश्यक पाबंदियां लगाना स्वीकार्य नहीं है। कार्यकारी समिति ने ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और दूसरे सामाजिक संगठनों और अल्पसंख्यक संस्थाओं के साथ मिलकर संयुक्त रणनीति अपनाने, राष्ट्रीय स्तर पर अधिवेशन का आयोजन करने, अदालतों का दरवाजा खटखटाने और देश के राष्ट्रपति और दूसरे जिम्मेदार लोगों को ज्ञापन देने का फैसला किया गया। इसके साथ ही, मुसलमानों से यह अपील की गई कि वह इस्लामी शरीयत पर मजबूती से टिके रहें और विशेषकर इस्लामी शिक्षाओं के अनुसार पूर्ण न्याय सुनिश्चित करें। विरासत के बंटवारे में महिलाओं के साथ अन्याय को खत्म करें और तलाक, गुजारा-भत्ता जैसे मामलों में शरीयत के सिद्धांतों का पालन करें। सामाजिक सुधार के संदर्भ में, कार्यकारी समिति ने अपने प्रस्ताव में नई पीढ़ी में बढ़ती धार्मिक और नैतिक कमजोरियों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कई व्यावहारिक उपायों को मंजूरी दी। इनमें जरूरी मकतबों (पाठशालाओं) की स्थापना, अधिक से अधिक अच्छे स्कूलों की स्थापना, लड़कियों के लिए अलग शैक्षिक संस्थान और धार्मिक वातावरण वाले छात्रावास प्रदान करना, मुसलमानों के प्रबंधन में चलने वाले स्कूलों और शैक्षिक संस्थानों के पाठ्यक्रमों में इस्लामी शिक्षाओं, सीरत-ए-नबवी, इस्लामी इतिहास, आस्था, नैतिकता और सामाजिक शिक्षा को शामिल करना, कोचिंग सेंटर बनाने के साथ-साथ सीरत क्विज और विभिन्न शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन शामिल है। इसके अलावा, माता-पिता को अपनी जिम्मेदारियां पूरी करने में सक्षम बनाने के लिए शादी से पहले और बाद में काउंसलिंग और ट्रेनिंग वर्कशॉप ऑर्गनाइज आयोजित करने पर जोर दिया गया। समाज के हितैषी लोगों से जोरदार अपील की गई कि जो बच्चियां पढ़ाई के लिए दूसरे शहरों का रुख करती हैं, उनके धर्म और आस्था की रक्षा के लिए हर संभव और प्रभावी कदम उठाए जाएं। अंतर्राष्ट्रीय परिस्थिति पर चर्चा करते हुए, कार्यकारी समिति ने पश्चिम एशिया, विशेषकर फिलिस्तीन, गाजा, लेबनान, ईरान, सीरिया, यमन और खाड़ी क्षेत्र में गंभीर मानवीय हालात पर गहरा दुख और निराशा व्यक्त की। प्रस्ताव में कहा गया कि जारी युद्ध की वजह से बेगुनाह नागरिकों, मासूम बच्चों और औरतों की मौत हुई है, बड़े पैमाने पर तबाही, पलायन और बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी होने ने पूरे क्षेत्र को एक गंभीर मानवीय संकट से दो-चार कर दिया है। इस बात पर जोर दिया गया कि तत्काल और स्थाई युद्धविराम के साथ फिलिस्तीनी मुद्दे का एक न्यायोचित और अंतर्राष्ट्रीय सिद्धांतों के अनुसार समाधान अत्यंत आवश्यक है। प्रस्ताव में मांग की गई कि युद्धविराम का पूरी तरह से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, प्रभावित इलाकों को बिना किसी रुकावट के मानवीय मदद प्रदान की जाए, गाजा में पुनर्निर्माण के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाए जाएं और क्षेत्र में स्थाई शांति के लिए तर्कसंगत बातचीत को आगे बढ़ाया जाए। कार्यकारी समिति ने पश्चिम एशिया में स्थाई शांति स्थापित करने के लिए सार्थक बातचीत का जोरदार समर्थन किया। सभा में देश-विदेश की कई महत्वपूर्ण हस्तियों के निधन पर गहरा दुख और शोक व्यक्त करते हुए उनके लिए मगफिरत और दरजात बुलंद रखने की दुआ की गई और उनकी राष्ट्रीय एवं सामाजिक सेवाओं को श्रद्धांजलि दी गई। सभा दारुल उलूम देवबंद के मोहतमिम मौलाना मुफ़्ती अबुल कासिम नोमानी की दुआ पर जुमे की नमाज से पूर्व समाप्त हुई।

हरिवंश तीसरी बार ...

उपाध्यक्ष का पद लंबे समय से रिक्त रहने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 से यह संवैधानिक पद खाली है, जो लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप नहीं है। उन्होंने उम्मीद जताई कि उपसभापति के रूप में हरिवंश विपक्ष को पर्याप्त समय और सम्मान देंगे। विपक्ष की ओर से उन्हें सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देते हुए यह भी कहा गया कि सदन की गरिमा बनाए रखने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी।

49 दिन बाद पूरी ...

होगा, जिसकी घोषणा ईरान के बंदरगाह और समुद्री संगठन ने पहले ही कर दी थी। एक्स पर एक बयान में उन्होंने कहा कि लेबनान में सीजफायर के मद्देनजर, होर्मुज जलडमरूमध्य से सभी कमर्शियल जहाजों के गुजरने का रास्ता, सीजफायर की बाकी अवधि के लिए पूरी तरह से खोल दिया गया है; यह उसी तय रास्ते से होगा, जिसकी घोषणा इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के बंदरगाह और समुद्री संगठन ने पहले ही कर दी थी। इससे पहले, अमेरिका ने कहा था कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य की नौसैनिक नाकेबंदी शुरू करेगा; यह कदम तब उठाया गया, जब ईरान ने फरवरी में अपने ऊपर हुए अमेरिका-इजरायल हमले के जवाब में, दुनिया के सबसे व्यस्त तेल शिपिंग मार्ग को हफ़्तों तक प्रभावी रूप से बंद रखा था।

शेख हसीना के ...

भारत इस मुद्दे पर सभी संबंधित पक्षों के साथ रचनात्मक रूप से संवाद जारी रखेगा और हर स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए है। जायसवाल ने कहा कि विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने बांग्लादेश की नई सरकार के साथ रचनात्मक जुड़ाव की भारत की इच्छा दोहराई है और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दिया है। दोनों पक्षों ने आपसी सहयोग को और गहरा करने के लिए विभिन्न द्विपक्षीय तंत्रों के माध्यम से प्रस्तावों पर विचार करने पर सहमति जताई है। वहीं, देश के भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी के प्रत्यर्पण से जुड़े प्रश्न पर जायसवाल ने कहा कि भारत इस मामले में ब्रिटेन के साथ लगातार संपर्क में है। इस विषय में कानूनी प्रक्रिया जारी है और भारत सरकार इस पर करीबी नजर रखे हुए है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की स्पष्ट नीति है कि देश से भागे हुए आर्थिक अपराधियों को वापस लाकर कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए। सरकार इस दिशा में पूरी तरह प्रतिबद्ध है और संबंधित देशों के साथ समन्वय के माध्यम से आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान भारत के तीन दिवसीय दौरे पर आए थे। उन्होंने भारत सरकार से बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सौंपने की मांग की थी।

जामुगुड़ीहाट में चाचा ने की भतीजे की निर्मम हत्या

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के जामुगुरीहाट के टुपिया स्थित बोगाबिल इलाके में एक सनसनीखेज हत्या की घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति ने अपने ही भतीजे की निर्मम हत्या कर दी। शुक्रवार को मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी पानीराम मुड़ी ने अपने 28 वर्षीय भतीजे राजीव मुड़ी पर लोहे की रॉड से बेरहमी से हमला किया। लगातार वार करने के कारण राजीव मुड़ी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही जामुगुड़ी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आरोपी पानीराम मुड़ी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

उज्ज्वला लाभार्थियों को जल्द कराना होगा ई-केवाईसी नहीं तो रसोई गैस आपूर्ति होगी प्रभावित

गुवाहाटी (हिंस)। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत लाभान्वित उपभोक्ताओं को अब जल्द ही अपना ई-केवाईसी पूरा करना अनिवार्य होगा। अधिकारियों के अनुसार, निर्धारित समय के भीतर ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी नहीं करने पर रसोई गैस की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इस संबंध में संवाददाता सम्मेलन में जानकारी देते हुए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) के चीफ जनरल मैनेजर अमरज्योति बरदलै ने आज कहा कि सभी पीएमयूवाई उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य कर दिया गया है। यह कदम योजना के वास्तविक लाभार्थियों की पहचान सुनिश्चित

करने और पारदर्शिता बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता अपने नजदीकी एलपीजी वितरक के पास जाकर, आधार आधारित प्रमाणीकरण के माध्यम से या अधिकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग कर ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे जल्द से जल्द यह प्रक्रिया पूरी कर लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके। आईओसी की ओर से उपभोक्ताओं को जागरूक करने के लिए अभियान भी चलाए जा रहे हैं, जिससे वे आसानी से ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर सकें।

नगांव के पुरनीगोदाम बिटुमिन फैक्ट्री में भीषण आग

नगांव (हिंस)। असम के नगांव जिले के पुरनीगोदाम क्षेत्र में स्थित एक बिटुमिन फैक्ट्री में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और भारी नुकसान हुआ। आधिकारिक सूत्रों से शुक्रवार को प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना पुरनीगोदाम के अंतर्गत काषरी गांव में स्थित फैक्ट्री में बीती रात हुई। फैक्ट्री में रखे ज्वलनशील पदार्थों के कारण आग तेजी से फैल गई। आग लगते ही आसमान में धुएं का घना गुबार उठने लगा, जिसे देखकर स्थानीय लोगों ने तुरंत प्रशासन को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक फैक्ट्री के भीतर रखा अधिकांश सामान जलकर खाक हो चुका था। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, इस अग्निकांड में लाखों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है।

जुबीन गर्ग हत्या मामले में आज से सरकारी पक्ष रखेगा दलीलें

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के महाधिवक्ता देवजीत लोन सैकिया ने शुक्रवार को कहा कि जुबीन गर्ग हत्या मामले में आज से सरकारी पक्ष अपनी दलीलें प्रस्तुत करेगा। यह प्रक्रिया सात आरोपियों के खिलाफ चार्ज फ्रेमिंग की सुनवाई पूरी होने के बाद शुरू हो रही है। उन्होंने बताया कि सातों आरोपियों के विरुद्ध चार्ज फ्रेमिंग की सुनवाई पूरी हो चुकी है। पिछले 15 दिनों से इस संबंध में अदालत में सुनवाई चल रही थी, जिसमें आरोपों की विस्तृत जांच की गई। महाधिवक्ता ने यह भी बताया कि सिंगापुर में जांच के लिए केंद्र सरकार की अनुमति को लेकर आरोपियों की ओर से कुछ वकीलों ने तकनीकी आपत्ति उठाई थी। हालांकि, असम सरकार ने इस मुद्दे को पहले ही स्पष्ट कर दिया है, जिससे अब मामले की सुनवाई आगे बढ़ने में कोई बाधा नहीं है।

तेजपुर में भीषण सड़क दुर्घटना, भारतीय सेना के जवान की मौके पर मौत

शोणितपुर (हिंस)। असम के तेजपुर के रत्नपुर क्षेत्र में हुई एक भीषण सड़क दुर्घटना में भारतीय सेना के एक जवान की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने आज बताया कि मृतक की पहचान भारतीय सेना के जवान आकाश लिम्बू के रूप में की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्घटना इतनी गंभीर थी कि जवान ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंची। बाद में शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के लिए भेज दिया गया। दुर्घटना के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा की जा रही है।

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने उखरुल गांवों का दौरा किया, संवाद और शांति का आह्वान किया

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री युम्नाम खेमचंद सिंह ने शुक्रवार को उखरुल जिले के कई गांवों के दौरे के दौरान कुकी और तंगखुल नागा समुदायों के बीच विश्वास की कमी को दूर करने के प्रयासों के तहत संवाद और शांतिपूर्ण सहअस्तित्व का आह्वान किया। संवाद को एकमात्र रास्ता बताते हुए मुख्यमंत्री ने अपने जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों से बातचीत करते हुए कहा कि शांति की बहाली के लिए संवाद के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है। थवाई कुकी गांव में एक भावपूर्ण बातचीत के दौरान, खेमचंद ने अपनी चिंताओं को साझा करते हुए भावुक हो रही एक महिला से मिलकर सहानुभूति व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हिंसा के दीर्घकालिक परिणाम होंगे, विशेष रूप से बच्चों पर इसका बुरा असर पड़ेगा। सद्भाव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मौजूदा दुख और अफसोस के बावजूद, हमें आने वाली पीढ़ियों के बारे में सोचना चाहिए और इसके लिए हम जैसे बुजुर्गों को अपने मन पर नियंत्रण रखना चाहिए। मुख्यमंत्री खेमचंद ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि वे स्कूलों में सामान्य कक्षाएं फिर से शुरू करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। स्थानीय विधायक की उपस्थिति में उन्होंने यह भी बताया कि पुल का निर्माण कार्य कार्यक्रम में पहले से ही शामिल है। उन्होंने कहा कि पेयजल आपूर्ति जैसे मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर संबोधित किया जाएगा, जबकि पुल निर्माण सहित चल रही विकास परियोजनाओं में तेजी लाई जाएगी। उखरुल की अपनी पहली यात्रा के दौरान, मुख्यमंत्री शाकाफुंग नामक तंगखुल नागा गांव में भी रुके। वहां गांव के मुखिया, बुजुर्गों, महिलाओं और अन्य निवासियों ने उनका हार्दिक स्वागत किया। मुख्यमंत्री खेमचंद ने ग्रामीणों से बातचीत की और उनके हालचाल पूछे। उन्होंने स्थानीय प्रतिनिधियों से शांति वार्ता शुरू करने का आह्वान किया और इस बात पर जोर दिया कि बातचीत शांत और रचनात्मक माहौल में होनी चाहिए। उन्होंने आगे बताया कि जिले के अन्य हिस्सों को जोड़ने वाले शार्काफुंग गांव में पुल के निर्माण के संबंध में, मुख्यमंत्री ने पीडब्ल्यूडी के संबंधित मुख्य अभियंता को मामले की जांच करने का निर्देश दिया और आश्वासन दिया कि पुल का निर्माण इस वर्ष अन्य विभिन्न स्रोतों के माध्यम से शुरू किया जाएगा। इससे पहले उखरुल जिला मुख्यालय जाते समय मुख्यमंत्री इंफाल-उखरुल सड़क पर स्थित शांगकाई, शोकवाओ और रामवा गांवों में भी रुके, जहां के निवासियों ने गांव में पीने योग्य पानी की कमी के बारे में चिंता व्यक्त की। उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि इंफाल लौटने के बाद वे इस मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर उठाएंगे और तुरंत समाधान की दिशा में काम करेंगे। शोक्वाओ गांव में ग्रामीणों ने उन्हें एक पारंपरिक शॉल भेंट की और उनके आगमन पर अपनी खुशी व्यक्त की। रामवा गांव में मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया गया और ग्रामीणों ने उनसे स्थानीय सड़कों के विकास और उन्नयन का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें राज्य भर में समावेशी विकास का आश्वासन दिया। उखरुल जाते समय, मुख्यमंत्री खेमचंद ने एनएचआईडीसीएल के अधिकारियों के साथ इंफाल-उखरुल-जेसमी सड़क निर्माण परियोजना की प्रगति की समीक्षा भी की, जिन्होंने उन्हें कार्यान्वयन के दौरान आने वाली चुनौतियों के बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि इन मुद्दों को समाधान के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उठाया जाएगा।

टिपरा मोथा ने टीटीएएडीसी चुनावों में शानदार जीत दर्ज की, 28 में से 24 सीटें जीतीं

अगरतला। प्रद्योत माणिक्य देबबर्मा के नेतृत्व वाली टिपरा मोथा पार्टी ने त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) के चुनावों में निर्णायक जीत हासिल करते हुए 28 में से 24 सीटें जीतीं। यह पार्टी की 2019 में स्थापना के बाद से लगातार दूसरी जीत है, जो त्रिपुरा के आदिवासी समुदायों के बीच इसके मजबूत समर्थन आधार को मजबूत करती है और *ग्रेटर टिप्रालैंड* की मांग के लिए इसके निरंतर प्रयास को दर्शाती है। परिणाम घोषित होने के तुरंत बाद, प्रद्योत देबबर्मा ने एक्स पर जाकर इस परिणाम को व्यवस्था पर विजय के रूप में वर्णित किया। उन्होंने लिखा कि हम जीत गए! व्यवस्था हार गई! जनता की इच्छा प्रबल हुई। *थान्सा* एक ऐसा शब्द है जिसका लोगों को सम्मान करना चाहिए और याद रखना चाहिए। हैजटीटीएएडीसी चुनाव-28 में से 24 सीटें। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी

(भाजपा) पिछले आदिवासी परिषद चुनावों में आठ में से केवल चार सीटें ही जीत पाई थी। यह शानदार जीत अधिक वोट शेयर और कई निर्वाचन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण अंतर से मिली, हालांकि आयोग द्वारा अभी भी विस्तृत आंकड़े संकलित किए जा रहे थे। इन चुनावों में मतदाताओं की भागीदारी में भारी वृद्धि देखी गई, 12 अप्रैल को हुए मतदान में 83 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ, जो 2021 की तुलना में अधिक है। राज्य सरकार में सहयोगी होने के बावजूद, टिपरा मोथा और भाजपा ने चुनाव अलग-अलग लड़ा। त्रिपुरा स्वदेशी जन मोर्चा (आईपीएफटी), सीपीआई (एम) और कांग्रेस सहित अन्य दल एक भी सीट हासिल करने में विफल रहे। 2021 में हुए पिछले टीटीएएडीसी चुनावों में, टिपरा मोथा ने 18 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा को नौ सीटें मिलीं और एक सीट निर्दलीय उम्मीदवार को मिली थी। बाद में टिपरा मोथा में शामिल होने के बाद भाजपा ने एक जिला परिषद सदस्य को खो दिया। नवीनतम परिणाम टिप्रा मोथा के लिए समर्थन के सुदृढ़ीकरण का संकेत देते हैं, जिसने न केवल अपनी सीटों की संख्या में वृद्धि की है, बल्कि कई निर्वाचन क्षेत्रों में उच्च वोट शेयर और बड़े अंतर से जीत भी दर्ज की है।

पवन खेड़ा को असम में अपनानी होगी न्यायिक प्रक्रिया : महाधिवक्ता

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के महाधिवक्ता देबोजीत लोन सैकिया ने शुक्रवार को कहा कि उच्चतम् न्यायालय में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की याचिका खारिज होने के बाद उन्हें असम के न्यायालय में न्यायिक प्रक्रिया अपनानी होगी। उन्होंने आज मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि पवन खेड़ा ने तेलंगाना हाई कोर्ट द्वारा दिए गए जमानत आदेश पर लगी रोक को चुनौती देते हुए खेड़ा ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की थी। उन्होंने अपने पक्ष में राहत की मांग की थी। लेकिन, उच्चतम न्यायालय ने उनकी याचिका को खारिज करते हुए आज उन्हें असम की अदालत में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन करने की सलाह दी। महाधिवक्ता देबोजीत लोन सैकिया ने बताया कि न्यायालय के इस निर्णय के बाद खेड़ा को अब असम के न्यायालयों में ही उचित कानूनी प्रक्रिया अपनानी होगी।

राज्यपाल ने रंगाली बिहू और असमिया नव वर्ष पर शुभकामनाएं दीं

गुवाहाटी। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने रंगाली बिहू और असमिया नव वर्ष के शुभ अवसर पर असम की जनता को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर राज्यपाल ने जुबीन गर्ग को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। आज यहां खारघुली रंगाली बिहू सम्मेलन द्वारा आयोजित एक बिहू समारोह को संबोधित करते हुए, राज्यपाल ने कहा कि रंगाली बिहू नई शुरुआत, आशा और एकजुटता का प्रतीक है। यह असम की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, साथ ही समाज में खुशी, शांति और समृद्धि लाता है। भारत को त्योहारों की भूमि बताते हुए, उन्होंने कहा कि ऐसे अवसर सामाजिक सद्भाव, सांस्कृतिक पहचान और एकता को बढ़ावा देते हैं। असम की अनूठी पहचान पर प्रकाश डालते हुए, राज्यपाल ने कहा कि यह राज्य विभिन्न समुदायों, भाषाओं और परंपराओं के सामंजस्यपूर्ण संगम का प्रतिनिधित्व करता है, जो मिलकर एक वृहद असमिया पहचान का निर्माण करते हैं। उन्होंने कहा कि रंगाली बिहू, जो वसंत ऋतु के आगमन और असमिया नव वर्ष का प्रतीक है, लोगों और प्रकृति के बीच गहरे जुड़ाव को दर्शाता है और सामूहिक

उत्सव की प्रेरणा देता है। अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए, राज्यपाल ने कहा कि असम के साथ उनके घनिष्ठ जुड़ाव ने उन्हें यह समझने में मदद की है कि लोग कितने गहरे सम्मान और गर्व के साथ अपनी परंपराओं को सहेज कर रखते हैं। उन्होंने कहा कि असम के लोगों में प्रकृति के प्रति प्रेम ही इस राज्य की आत्मा है, और रंगाली बिहू इसी प्रेम की सबसे सुंदर अभिव्यक्ति है। उन्होंने आगे कहा कि एक कृषि-आधारित त्योहार होने के नाते, बिहू अपने गीतों और नृत्यों के माध्यम से किसानों की आशाओं और आकांक्षाओं को अभिव्यक्त करता है, जो इसे अत्यंत सार्थक बनाता है। राज्यपाल ने इस बात पर भी जोर दिया कि बिहू अब भौगोलिक सीमाओं को पार कर चुका है और इसे वैश्विक पहचान मिल चुकी है। भारत और दुनिया भर में फैले असमिया समुदाय के लोग इसे बड़े उत्साह के साथ मनाते हैं, और इस प्रकार अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर असम की जीवंत संस्कृति का प्रदर्शन करते हैं। उन्होंने इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि राज्य सरकार और जनता के सामूहिक प्रयासों के परिणामस्वरूप रंगाली बिहू को वैश्विक पहचान मिली है, जिसमें *गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स* में इसका शामिल होना भी शामिल है; यह उपलब्धि असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का एक जीता-जागता प्रमाण है। इस अवसर पर राज्यपाल ने *लुइट* नामक स्मारिका का विमोचन किया। इससे पूर्व, खरघुली रंगाली बिहू सम्मेलन के अध्यक्ष दिव्यज्योति कलिता ने स्वागत भाषण दिया, जबकि सम्मेलन के कार्यकारी अध्यक्ष नबा केआर डेका ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में संसद सदस्य बिजुली कलिता मेधी, एएम टेलीविजन के सीएमडी एएम संजीव नारायण और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इससे पहले, दिन में राज्यपाल ने लोक भवन में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ *गोरू बिहू* मनाया।

मुख्यमंत्री संगमा ने पश्चिम गारो हिल्स में कनेक्टिविटी सुधारने के लिए पुल और सड़क परियोजनाओं का किया उद्घाटन

शिलांग। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा ने शुक्रवार को बुगी नदी पर बने एक महत्वपूर्ण पुल का उद्घाटन किया, साथ ही पश्चिम गारो हिल्स में सड़क चौड़ीकरण परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया, जिनका उद्देश्य क्षेत्रीय संपर्क में सुधार करना है। मुख्यमंत्री संगमा ने पुल को *लंबे समय से चली आ रही आवश्यकता* बताते हुए कहा कि खराब कनेक्टिविटी के कारण निवासियों को लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने कहा कि यह संरचना क्षेत्र में आवागमन संबंधी चुनौतियों को कम करने के लिए आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि राज्य सरकार मेघालय के सभी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी में सुधार करके समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित मेघालय एकीकृत परिवहन परियोजना (एमआईटीपी) के तहत निर्मित बुगी नदी पर बना 90 मीटर लंबा पुल पश्चिम और दक्षिण गारो हिल्स को जोड़ता है, जिससे बुनियादी ढांचे की एक महत्वपूर्ण कमी प्रभावी रूप से पूरी हो जाती है। इससे दोनों जिलों के कई गांवों में 6,000 से अधिक लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य ने पिछले कुछ वर्षों में सड़क अवसंरचना में निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिसका मुख्य उद्देश्य दूरस्थ और उपेक्षित क्षेत्रों को आर्थिक केंद्रों से जोड़ना है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र और सहयोगी एजेंसियों के सहयोग से विकास कार्य समावेशी तरीके से किए जा रहे हैं। सांगमा ने राज्य भर में प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं को क्रियान्वित करने में केंद्र और सहयोगी एजेंसियों के साथ सहयोग पर भी जोर दिया।

त्रिपुरा उच्च न्यायालय ने अवैध मांस बिक्री को *गंभीर* बताया, मासिक रिपोर्ट जारी करने का आदेश दिया

अगरतला। त्रिपुरा उच्च न्यायालय ने अधिकारियों को अगरतला में अवैध रूप से मांस बेचने वालों और अनधिकृत बूचड़खानों के बारे में मासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के सख्त निर्देश जारी किए हैं। आधुनिक बूचड़खाने की स्थापना में लगातार हो रही देरी के मद्देनजर अदालत ने स्थिति को *गंभीर* बताया है। यह निर्देश मुख्य न्यायाधीश एमएस रामचंद्र राव और न्यायमूर्ति बिश्वजीत पालित की खंडपीठ ने अधिवक्ता अंकन तिलक पॉल और अधिवक्ता परमिता सेन द्वारा दायर जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए जारी किया।

याचिका में अगरतला में अदालत द्वारा अनिवार्य बूचड़खाने के कार्यान्वयन में हो रही देरी पर चिंता जताई गई। अदालत ने पश्चिम त्रिपुरा के जिला विधि सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) को अगरतला नगर निगम (एएमसी) के साथ समन्वय में काम करने और मासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। इन रिपोर्टों का उद्देश्य अवैध प्रतिष्ठानों की पहचान करना और उनके खिलाफ उठाए गए कदमों का विवरण देना है। अदालत ने पाया कि हालांकि बूचड़खाने के लिए कार्य आदेश 11 जून, 2025 को जारी किया गया था, लेकिन साइट को 1 फरवरी, 2026 को ही सौंपा गया था, और इसके पूरा होने के लिए कोई स्पष्ट समयसीमा प्रदान नहीं की गई थी। इसमें एक निश्चित समयसीमा के अभाव का उल्लेख किया गया और दोहराया गया कि सुविधा स्थापित करने का निर्देश पहली बार फरवरी 2022 में जारी किया गया था, और अधिकारियों से प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया गया था। अदालत ने अभोयनगर और भगवान ठाकुर चौमुहानी जैसे क्षेत्रों में अनधिकृत वध और अवैध मांस बिक्री से संबंधित शिकायतों को भी स्वीकार किया, जो जमीनी स्तर पर कमजोर प्रवर्तन की ओर इशारा करता है। इसके जवाब में, पश्चिम त्रिपुरा के जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक को अदालत के पूर्व निर्देशों के कार्यान्वयन में पूर्ण सहयोग देने के लिए कहा गया है। पीठ ने एएमसी को अस्थायी वध इकाइयों और बिना लाइसेंस वाले विक्रेताओं पर कड़ी निगरानी रखने का भी निर्देश दिया। एएमसी कमिश्नर को अदालत के समक्ष मासिक कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) दाखिल करने का निर्देश दिया गया है क्योंकि इस मामले की अगली सुनवाई 16 जून को होनी है।

नारायणपुर में हुसरी दल की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त 20 बिहू कलाकार घायल

लखीमपुर (हिंस)। असम के नारायणपुर क्षेत्र में एक हुसरी दल (बिहू नृत्य कलाकार) को ले जा रहा एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें लगभग 20 युवा बिहू कलाकार घायल हो गए। आज मिली जानकारी के अनुसार, यह हादसा बीती रात उस समय हुआ जब वाहन राष्ट्रीय राजमार्ग से नियंत्रण खोकर सड़क से नीचे जा गिरा। बताया जा रहा है कि हुसरी दल के सदस्य बिहू उत्सव के अवसर पर प्रस्तुति देने जा रहे थे। घायलों में कई युवा बिहुवा (युवक) और बिहुवती (युवतियां) कलाकार शामिल हैं, जिन्हें अलग-अलग स्तर की चोटें आई हैं। सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों की स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है।

रंगिया के बरमुरा में माघी पूर्णिमा उत्सव के रजत जयंती वर्ष का भव्य आगाज

साल भर चलेंगे विविध कार्यक्रम

रंगिया (विभास)। कामरूप जिले के रंगिया अंतर्गत बरमुरा, खानापारा सुबुरी स्थित नामघर प्रांगण में माघी पूर्णिमा तिथि उत्सव के रजत जयंती वर्ष (रुपाली जयंती वर्ष) का अत्यंत उत्साह के साथ शुभारंभ किया गया। असमिया नव वर्ष यानी पोइला बोहाग के पावन अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम के साथ ही साल भर चलने वाले विभिन्न सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला शुरू हो गई है। इसका शुभारंभ सुबह प्रागज्योति संघ द्वारा स्वच्छता अभियान और इसके पश्चात आयती नाम परिवेशन के साथ हुआ। इसके बाद उत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष अजान वैश्य ने औपचारिक रूप से रजत जयंती का ध्वज फहराया। समारोह के दौरान मुख्य कार्यालय का उद्घाटन किया गया और प्रकृति संरक्षण का संदेश देते हुए नाहर के पौधों का रोपण भी किया गया। इस अवसर पर आयोजित विशेष आशीर्वाद समारोह में कनिष्ठों ने वरिष्ठों का सम्मान कर

उनका आशीर्वाद लिया। समारोह में रंगिया के विधायक भवेश कलिता, श्रीमंत शंकरदेव संघ के जिला उपाध्यक्ष मनीराम मालाकार, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अश्विनी कुमार कलिता, डॉ. पुलिन लहकर, विशिष्ट व्यवसायी दिगंतो कलिता, कैलाश जैन, असम साहित्य सभा के कार्यवाहक सदस्य सुशील डेका, सामाजिक कार्यकर्ता महावीर प्रसाद जाजोदिया, विशिष्ट पत्रकार भास्कर कलिता, दिनेश अग्रवाल और कवि उज्ज्वल डेका सहित कई विशिष्ट हस्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान आयोजन समिति ने आगामी रुपाली जयंती वर्ष के लिए विस्तृत कार्ययोजना साझा की है जोकि इस प्रकार से है-1 जून से 30 जून: ऑनलाइन बेटूपात अंकन, 1 जुलाई से 31 जुलाई: ऑनलाइन गुरु वंदना (नगाड़ा नाम की शुरुआती गायन बंदना), 15/16 अगस्त आमंत्रित आयती नाम दल द्वारा नाम प्रदर्शन और निशुल्क स्वास्थ्य शिविर, 1 सितंबर से 30 सितंबर ऑनलाइन वाद्य यंत्र वादन प्रतियोगिताएं, 1 नवंबर से 30 नवंबर ऑनलाइन संगीत, 14/15 जनवरी विभिन्न साहित्यिक और खेलकूद प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएगी। आयोजकों द्वारा बताया गया है कि 15 जनवरी 2027 को सुबह 10 बजे महोत्सव के औपचारिक *लाई खुंटा* (मुख्य स्तंभ) की स्थापना होगी, जिसके बाद 22, 23 और 24 जनवरी को रुपाली जयंती वर्ष का भव्य समापन समारोह आयोजित किया जाएगा। आयोजन समिति ने स्थानीय धर्मप्राण जनता से इन सभी कार्यक्रमों में सक्रिय सहयोग और उपस्थिति की अपील की है। वहीं अधिक जानकारी के लिए 9707230976, 9864133556, 9954724858 मोबाईल नंबर पर संपर्क करने को कहा गया है।

संपादकीय

महिला-शक्ति का समय

यह देश की संसदीय प्रणाली में 'महापरिवर्तन' का दौर है। संसद का विशेष सत्र 16, 17, 18 अप्रैल को महिला आरक्षण कानून को लागू करने और नए परिसीमन कानून को पारित करने पर विमर्श करेगा। लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में 33 फीसदी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हों, इस प्रावधान का बिल और कानून बीते 30 सालों से लटका पड़ा है। 1996 में देवगौड़ा सरकार के दौरान सबसे पहले महिला आरक्षण बिल पेश किया गया, तो संसद अगड़ी-पिछड़ी, फैशनेबल, दलित महिलाओं के खांचों में बंट गई थी। बिल को फाड़ दिया गया था। ऐसे भय और ऐसी आशंकाएं मुलायम सिंह यादव, शरद यादव, उमा भारती, लालू यादव सरीखे संसदीय नेताओं ने व्यक्त कीं कि बालकटी, फैशनपरस्त और ऊंचे घरानों की ही महिलाएं, आरक्षण के जरिए, संसद तक पहुंचेंगी। नतीजतन बिल को लटकाया और भटकाया जाता रहा। सितंबर, 2023 में यह बिल मोदी सरकार ने 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' के तौर पर पारित कराया। नवंबर, 2023 में राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद यह कानून बन गया, लेकिन इसे लागू नहीं किया गया। सरकार 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले भी इसे लागू कर सकती थी, क्योंकि 2011 की जनगणना को आधार बनाया जाना था। लोकसभा की मौजूदा सीटों की संख्या 1971 की जनगणना पर आधारित थी। लंबे 55 साल के बाद परिवर्तन अनिवार्य है, क्योंकि जनसंख्या के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था भी बदल चुकी है। चूंकि यह मामला 2026 तक 'फ्रीज' रखा गया था, लिहाजा अब सरकार नया परिसीमन आयोग बना रही है और संसद से कानून पारित कराएगी। महिला आरक्षण कानून 2029 के लोकसभा चुनाव और उसके बाद के विधानसभा चुनावों और उपचुनावों पर लागू किया जा सके, लिहाजा संसद में 131वां संविधान संशोधन लाया जाएगा। संविधान संशोधन बिल पारित कराने के लिए सरकार को 362 सांसदों का समर्थन चाहिए अथवा सदन में उपस्थित सांसदों का दो-तिहाई बहुमत होना चाहिए। विपक्ष के पाले में 233 सांसद हैं, लिहाजा सरकार के लिए चुनौती है।

संसद का विशेष सत्र 16, 17, 18 अप्रैल को महिला आरक्षण कानून को लागू करने और नए परिसीमन कानून को पारित करने पर विमर्श करेगा। लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में 33 फीसदी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हों, इस प्रावधान का बिल और कानून बीते 30 सालों से लटका पड़ा है। 1996 में देवगौड़ा सरकार के दौरान सबसे पहले महिला आरक्षण बिल पेश किया गया, तो संसद अगड़ी-पिछड़ी, फैशनेबल, दलित महिलाओं के खांचों में बंट गई थी। बिल को फाड़ दिया गया था। ऐसे भय और ऐसी आशंकाएं मुलायम सिंह यादव, शरद यादव, उमा भारती, लालू यादव सरीखे संसदीय नेताओं ने व्यक्त कीं कि बालकटी, फैशनपरस्त और ऊंचे घरानों की ही महिलाएं, आरक्षण के जरिए, संसद तक पहुंचेंगी। नतीजतन बिल को लटकाया और भटकाया जाता रहा। सितंबर, 2023 में यह बिल मोदी सरकार ने 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' के तौर पर पारित कराया। नवंबर, 2023 में राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद यह कानून बन गया, लेकिन इसे लागू नहीं किया गया। सरकार 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले भी इसे लागू कर सकती थी, क्योंकि 2011 की जनगणना को आधार बनाया जाना था। लोकसभा की मौजूदा सीटों की संख्या 1971 की जनगणना पर आधारित थी। लंबे 55 साल के बाद परिवर्तन अनिवार्य है, क्योंकि जनसंख्या के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था भी बदल चुकी है। चूंकि यह मामला 2026 तक 'फ्रीज' रखा गया था, लिहाजा अब सरकार नया परिसीमन आयोग बना रही है और संसद से कानून पारित कराएगी। महिला आरक्षण कानून 2029 के लोकसभा चुनाव और उसके बाद के विधानसभा चुनावों और उपचुनावों पर लागू किया जा सके, लिहाजा संसद में 131वां संविधान संशोधन लाया जाएगा।

विपक्ष इसे भी मुद्दा बना रहा है और परिसीमन कानून पर बिल के विरोध में मत-विभाजन मांग सकता है। परिसीमन कानून तो साधारण बहुमत से पारित किया जा सकता है, लेकिन महिला आरक्षण संविधान संशोधन का विषय है, लिहाजा दो-तिहाई बहुमत की दरकार है। बुधवार को विपक्ष की बैठक प्रस्तावित थी। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल में मतदान से सिर्फ एक सप्ताह पहले ही संसद का विशेष सत्र क्यों बुलाया गया और महिला आरक्षण तथा परिसीमन कानूनों पर संविधान संशोधन पारित कराने की योजना सरकार ने क्यों बनाई, विपक्ष इसी सवाल से चिपका है। कुछ विशेषज्ञ ऐसी व्याख्याएं भी कर रहे हैं कि महिला आरक्षण कानून 2039 के लोकसभा चुनाव से पहले लागू नहीं हो सकता, क्योंकि 2027 की जनगणना के बाद एक और परिसीमन की आवश्यकता हो सकती है या 2029 तक परिसीमन का काम सम्पन्न नहीं हो सकता। बहरहाल राजनीति तो इस देश की हरेक धड़कन में है, लेकिन यह देश के सामाजिक, राजनीतिक, लैंगिक और संसदीय परिदृश्य बदलने का समय है। जो प्रस्ताव संसद के विचाराधीन है, उसके मुताबिक, राज्यों से 815 सांसद चुन कर लोकसभा में आएंगे, जबकि संघशासित क्षेत्रों से 35 सांसद चुने जाएंगे, लिहाजा 2029 में लोकसभा में 850 सांसद दीख सकते हैं। अभी यह संख्या 543 है। आरक्षण 15 साल के लिए होगा।

कुछ अलग

असंवेदनशीलता

व्यक्तित्व में कुछ मानवीय गुणों का समावेश मनुष्य को महान बना सकता है। ईश्वरीय सत्ता में हमारा अस्तित्व एकल है क्योंकि वास्तव में यह जीवन यात्रा मनुष्य अकेले ही तय करता है। जीवन से मृत्यु के अंतराल में मनुष्य अकेला ही है। मनुष्य जीवन भर सांसारिक, पारिवारिक तथा सामाजिक बंधनों, सम्बन्धों तथा रिश्ते-नातों के मकडजाल में उलझा रहता है। माता-पिता, पुत्र-पुत्री, पति-पत्नी, भाई-बहन सभी सांसारिक, पारिवारिक तथा सामाजिक बंधन हैं। मनुष्य जीवन भर इन संबंधों के मोहपाश तथा मायाजाल में बंधा रहता है। सामाजिक एवं प्राकृतिक व्यवस्था चलाने के लिए यह आवश्यक भी है। लेकिन इन व्यक्तिगत सम्बन्धों के अतिरिक्त एक और भी सम्बन्ध है जो सभी संबंधों से श्रेष्ठ और उत्तम है। मानवीय सम्बन्ध कोई भी सम्बन्ध न होने पर भी सर्वोपरि है। यह सम्बन्ध ईश्वरीय सत्ता का सम्मान करते हुए सभी से प्रेम तथा संवेदना, शालीनता तथा विनम्रता पर आधारित है। जहां आप किसी व्यक्ति को जानते-पहचानते नहीं हैं, कोई रिश्ता नाता नहीं है, कोई धर्म, जात, मजहब, रंगभेद, लिंगभेद, छोटा-बड़ा तथा अमीर-गरीब का भेद नहीं, केवल ईश्वरीय सत्ता में आप अपनत्व तथा प्रेम भावनाओं के आधार पर किसी का सम्मान करते हैं। नम्रता, विनम्रता, शालीनता, सरलता, शिष्टता तथा संवेदनशीलता ऐसे सुंदर शब्द हैं जिन्हें परिभाषित करने से बेहतर महसूस करना तथा अपने व्यक्तित्व में ढालना है। इन शब्दों का आचरण एवं व्यवहार अमूल्य है। इन शब्दों की परिभाषा सभ्य, सुसंस्कृत तथा संवेदनशील परिवारों, सभ्य समाजों तथा महान गुरुओं के चरणों में रहकर ही समझी जा सकती है।

अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी यह मानते हैं कि वे यह सारी लड़ाई जीओडी की ओर से ही लड़ रहे हैं

युद्ध में पोप का दाखिला

अमरीका को घेरने के लिए उन्हें ईरान का बहाना मिल गया है, जिस प्रकार रूस को घेरने के लिए अमरीका को यूक्रेन का बहाना मिल गया था। ईरान ने इस लड़ाई में यह दावा जरूर किया हुआ है कि वह यह लड़ाई अल्लाह की ओर से लड़ रहा है। वैसे अरब देशों का भी यह मानना है कि वे भी अल्लाह की ओर से ही लड़ रहे हैं। इसलिए दोनों देश बीच-बीच में अल्लाह का नाम भी लेते हैं। लेकिन पहली बार इस लड़ाई में अमरीका ने जीओडी को दाखिल किया है। मैंने जीओडी शब्द का अनुवाद जानबूझ कर हिंदी में नहीं किया है, क्योंकि हिंदी में मुझे इसके बराबर कोई शब्द नहीं मिला। वैसे लोग इसका अनुवाद परमात्मा कर लेते हैं। लेकिन भारत में परमात्मा का अर्थ वह नहीं है जो अंग्रेजी के जीओडी का है। जीओडी तो सात आसमान के ऊपर रहता है। लेकिन परमात्मा तो हर जीव के अंदर ही है। परमात्मा से बात करने के लिए भारतीयों को बिचौलियों की जरूरत नहीं पड़ती। वह सीधी परमात्मा की आराधना कर सकता है।

ईरान का अमरीका-इजराइल से युद्ध पिछले कुछ महीनों से निरंतर जारी है। अब यह युद्ध मध्य एशिया के अरब देशों तक भी फैल चुका है। पाकिस्तान क्योंकि अमरीका के साथ है, इसलिए परोक्ष रूप से वह भी अब इस युद्ध में एक पक्ष बन चुका है। ऐसा नहीं कि ईरान इस मामले में अकेला है। परोक्ष रूप से चीन और रूस भी इसमें ईरान के पक्ष में खड़े नजर आते हैं। ऐसा नहीं कि उनको ईरान के लोगों की चिंता है या फिर वे अपनी दोस्ती का फर्ज निभा रहे हैं। बल्कि अमरीका को घेरने के लिए उन्हें ईरान का बहाना मिल गया है, जिस प्रकार रूस को घेरने के लिए अमरीका को यूक्रेन का बहाना मिल गया था। ईरान ने इस लड़ाई में यह दावा जरूर किया हुआ है कि वह यह लड़ाई अल्लाह की ओर से लड़ रहा है। वैसे अरब देशों का भी यह मानना है कि वे भी अल्लाह की ओर से ही लड़ रहे हैं। इसलिए दोनों देश बीच-बीच में अल्लाह का नाम भी लेते हैं। लेकिन पहली बार इस लड़ाई में अमरीका ने जीओडी को दाखिल किया है। मैंने जीओडी शब्द का अनुवाद जानबूझ कर हिंदी में नहीं किया है, क्योंकि हिंदी में मुझे इसके बराबर कोई शब्द नहीं मिला। वैसे लोग इसका अनुवाद परमात्मा कर लेते हैं। लेकिन भारत में परमात्मा का अर्थ वह नहीं है जो अंग्रेजी के जीओडी का है। जीओडी तो सात आसमान के ऊपर रहता है। लेकिन परमात्मा तो हर जीव के अंदर ही है। परमात्मा से बात करने के लिए भारतीयों को बिचौलियों की जरूरत नहीं पड़ती। वह सीधी परमात्मा की आराधना कर सकता है। कर्मकांड की भी जरूरत नहीं है। लेकिन जीओडी के मामले में ऐसा नहीं है। जिनको जीओडी से बात करनी है, उसे पोप के माध्यम से ही बात करनी होगी। पोप जीओडी का प्रतिनिधि है। ईसाई समाज के लोग ऐसा मानते भी हैं। इटली में रोम के नजदीक पोप का हेडक्वार्टर भी है। अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी यह मानते हैं कि वे यह सारी लड़ाई जीओडी की ओर से ही लड़ रहे हैं। इसलिए वे अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर जब लड़ाई के बारे में कोई सूचना भी देते हैं, तो कभी कभी जीओडी का धन्यवाद या फिर उसकी सहमति होने की घोषणा भी करते हैं। अब इस दुनिया में जीओडी के प्रतिनिधि तो पोप ही हैं। इसलिए ट्रंप ने मान लिया होगा कि पोप अमरीका के साथ ही हैं। वैसे भी इसे संयोग ही कहना चाहिए कि वर्तमान में जो पोप है, वह अमरीका का ही है। इसलिए ट्रंप को विश्वास होगा कि पोप अमरीका के साथ ही है। लेकिन पिछले दिनों पोप ने कुछ इस प्रकार की बात कह दी जिसका अर्थ निकलता था कि अमरीका को यह लड़ाई किसी तरीके से रोकनी चाहिए क्योंकि निर्दोष लोग मर रहे हैं। ट्रंप के लिए यह सचमुच हैरानी की बात थी। लेकिन ट्रंप ने एक झटके में पोप की सारी तथाकथित सत्ता और उसके जीओडी का प्रतिनिधि होने का पर्दाफाश कर दिया। इस समय लियो पोप के पद पर हैं। ट्रंप ने सबसे पहले कहा कि तुम्हें यह पद मेरे कारण ही मिला है। यदि मैं अमरीका का राष्ट्रपति न होता तो तुम्हें पोप के पद पर कौन चुनता? मेरे कारण तुम पोप बने हो और अब मुझे ही आंखें दिखा रहे हो। पोप को भी उत्तर देना ही था। उसने कहा मैं तो गोस्पल यानी ईसा मसीह की शिक्षा का ही प्रचार कर रहा हूं। ट्रंप ने साफ-साफ पूछा क्या जीओडी चाहता है कि ईरान अपने पास परमाणु बम रखे? इसका पोप के पास कोई उत्तर नहीं था। वैसे ट्रंप से पूछा जा सकता था है कि जब अमरीका ने पहली बार परमाणु बम बनाया था, तब क्या जीओडी ने या उस समय जीओडी के पृथ्वी पर प्रतिनिधि पोप ने अमरीका को मौखिक या लिखित अनुमति दी थी कि वह परमाणु बम बना ले। इतना ही नहीं जब अमरीका ने जापान पर एक नहीं, दो परमाणु बम गिराए थे तो क्या जीओडी से अनुमति ली थी? इस्लाम पंथ और ईसाई पंथ को मानने वालों की समस्या ही यह है कि जब भी वे लड़ते हैं तो दोनों का दावा रहता है कि वे जीओडी या अल्लाह की ओर से लड़ रहे हैं। फिर पक्ष-विपक्ष की घोषणा पृथ्वी पर उनके प्रतिनिधि बताते हैं। बहुत कम लोगों को पता होगा कि ईरान का जो संविधान है उसमें स्पष्ट घोषणा है कि वर्तमान प्रशासन अस्थायी व्यवस्था है। अल्लाह के प्रतिनिधि खलीफा या इमाम फिलहाल कहीं गए हुए हैं। उनके वापस आने तक के कालखंड में हम यह व्यवस्था संभाले हुए हैं। उनके वापस आ जाने पर हम ईरान का प्रशासन उनके हवाले कर सुरखरु हो जाएंगे। लेकिन ट्रंप के सामने तो यह समस्या भी नहीं है। उनके जीओडी के प्रतिनिधि तो कहीं नहीं गए हुए। वे तो वेटिकन में बैठे हैं या फिर अपने भक्तों के बीच घूम रहे हैं। रहने वाले भी वे अमरीका के हैं। जीओडी के प्रतिनिधि होने का पद भी उन्हें पिछले साल ही मिला है। उससे पहले वह जीओडी के प्रतिनिधि नहीं थे। अमरीका के साधारण नागरिक थे। जीओडी के प्रतिनिधि बनने का अवसर भी उन्हें ट्रंप की कृपा से ही मिला। फिर भी अहसान फरामोशी! नाकाबिले बर्दाश्त। इसके बाद तो ट्रंप ने पोप को चिढ़ाने के लिए स्वयं को ही ईसा मसीह के रूप में सोशल मीडिया पर प्रस्तुत कर दिया। अब्राहमी मजहबों की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वे बराबर लड़ते हैं लेकिन उनका दावा यही रहता है कि वे अल्लाह या जीओडी के लिए लड़ रहे हैं। इजराइल का भी यही दावा है कि वे याहोवा की ओर से लड़ रहे हैं। इजराइल/यहूदी जिसको याहोवा कहता है, ईसाई पंथ उसको जीओडी कहता है और इस्लाम पंथ उसी को अल्लाह कहता है। कमाल की बात है कि तीनों जब लड़ते हैं, और ज्यादातर लड़ते ही रहते हैं, तो तीनों का दावा रहता है कि वे याहोवा या जीओडी या अल्लाह के सम्मान के लिए लड़ रहे हैं। फर्क केवल इतना है कि अरबों ने हजरत अली के बाद खलीफा का पद समाप्त करने की घोषणा कर दी थी, लेकिन तुर्कों ने उनके गले में अंगूठा देकर स्वयं खलीफा का पद संभाल कर अल्लाह का प्रतिनिधि होने की घोषणा कर दी थी। केवल घोषणा की होती तो भी किसी को कोई नुकसान नहीं था। तुर्कों ने तो आधे यूरोप और अरबों पर भी अल्लाह की ओर से कब्जा कर लिया। लेकिन उससे भी पहले ईरान ने शिया पंथ में दीक्षित होकर इमाम के रूप में अल्लाह के प्रतिनिधि होने का भार संभाल लिया। यह सिलसिला काफी देर तक चलता रहा। लेकिन बारहवें इमाम के बाद तेरहवें इमाम की अभी प्रतीक्षा हो रही है। वैसे इमाम को दाद देनी पड़ेगी कि इतने लंबे अरसे बाद भी ईरान उनका इंतजार ही नहीं कर रहा, बल्कि उनकी ओर से प्रशासन चला रहा है। इस सांविधानिक व्यवस्था के अनुसार कि उनके वापस आने पर उनको प्रशासन संभाल देगा। लेकिन इतना निश्चित है कि यहूदी पंथ, ईसाई पंथ, इस्लाम पंथ और शिया पंथ में सभी युद्ध उसी जीओडी के नाम पर हैं जिनका नाम और अवधारणा इन मजहबों में भिन्न भिन्न है। यह संयोग ही है कि इस समय जीओडी को छोड़ कर और किसी का प्रतिनिधि इस मृत्युलोक में सशरीर उपस्थित नहीं है। पीछे कुछ लोगों ने अल्लाह के प्रतिनिधि के रूप में स्वयं को खलीफा के रूप में स्थापित करने की कोशिश की, लेकिन उसे यीशु मसीह के भक्तों ने सफल नहीं होने दिया। उसे मार दिया। पोप की समस्या अमरीका नहीं है। उसकी समस्या दूसरी है। यूरोप इस लड़ाई में अमरीका का साथ देने को तैयार नहीं है। इस समय अमरीका और यूरोप के हित आपस में टकराते हैं। लेकिन पोप को यूरोप भी जीओडी का प्रतिनिधि मानता है और अमरीका भी। अब यदि पोप अमरीका के पक्ष में हो जाएं तो यूरोप नाराज होगा। यदि अमरीका का साथ नहीं देता तो ट्रंप नाराज होता है। जीओडी या उसके प्रतिनिधि की भी कभी मृत्युलोक में यह हालत हो जाएगी, यह किसने सोचा होगा? इटली ने तो तुरंत हल्ला बोल ही दिया है। इटली के प्रधानमंत्री ने कहा है कि पोप के साथ यह बदसलूकी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लेकिन अब ट्रंप के बाद उनके उपराष्ट्रपति जेडी बेंस ने भी जीओडी के प्रतिनिधि को कहा है कि या तो हमारे साथ खड़े हो जाओ, नहीं तो तुम्हारी तथाकथित सत्ता को बेनकाब करेंगे।

देश दुनीया से

बिहार में संभावनाएं विकास कीः अब सत्ता सम्राट की

बिहार की राजनीति लंबे समय से बदलाव, प्रयोग और नेतृत्व के उतार-चढ़ाव का साक्षी रही है। ऐसे परिदृश्य में जब लंबे इंतजार और जटिल कूटनीतिक समीकरणों के बाद पहली बार भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में शासन स्थापित होने की स्थिति बनती है और सम्राट चौधरी जैसे नेता मुख्यमंत्री के रूप में उभरते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि एक संभावित राजनीतिक और प्रशासनिक परिवर्तन का संकेत भी है। यह क्षण बिहार के लिए एक नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है, जहां अपेक्षाएं केवल शासन परिवर्तन की नहीं, बल्कि शासन की गुणवत्ता, दृष्टि और परिणामों की भी हैं। नये मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी के सामने न सिर्फ बिहार की जनता में एक कुशल प्रशासक की छाप छोड़ने की चुनौती है, बल्कि पार्टी की अपेक्षाओं एवं नीतीश कुमार द्वारा खींची रेखाओं से आगे निकलने के संघर्ष में भी उन्हें खरा उतरना होगा। सम्राट को उससे आगे ऐसा कुछ करना होगा, ताकि भाजपा उसके आधार पर भविष्य की दावेदारी पेश कर सके एवं अपने बल पर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की पात्रता विकसित कर सके। बिहार में भाजपा का एक नया अध्याय शुरु हो रहा है, सम्राट के भरोसे से ।राजनीति सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री के रूप में चयन कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। वे कोई अप्रत्याशित या अपरिचित चेहरा नहीं हैं। बिहार की राजनीति में सक्रिय रहते हुए, उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए और विभिन्न राजनीतिक धाराओं से गुजरते हुए उन्होंने राज्य की जटिलताओं को निकट से समझा है। उनकी राजनीतिक यात्रा उन्हें एक व्यावहारिक नेता के रूप में स्थापित करती है, जो केवल सिद्धांतों तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन की वास्तविकताओं से भी जुड़ा हुआ है। यही कारण है कि उनके नेतृत्व से बिहार की जनता को एक ऐसे प्रशासन की उम्मीद है जो नीतिगत स्पष्टता के साथ-साथ क्रियान्वयन की क्षमता भी रखता हो। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि बिहार में नेतृत्व का मूल्यांकन केवल व्यक्ति के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी नीतियों, प्राथमिकताओं और परिणामों के आधार पर होता है। पिछले वर्षों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से सामने आई है कि शासन की सफलता का निर्धारण केवल मुख्यमंत्री के व्यक्तित्व से नहीं, बल्कि उस व्यापक नीति-ढांचे से होता है जो केंद्र और राज्य के बीच समन्वय स्थापित करता है। भारतीय राजनीति में यह एक नया आयाम है, जहां केंद्र सरकार की नीतियां राज्यों के विकास की दिशा को काफी हद तक प्रभावित करती हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों के उदाहरण इस बात को पुष्ट करते हैं कि अपेक्षाकृत कम चर्चित चेहरों के बावजूद विकास की गति तेज रह सकती है, यदि नीतिगत समर्थन और प्रशासनिक इच्छाशक्ति मजबूत हो। बिहार के संदर्भ में यह पहलू और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यह राज्य लंबे समय तक अवसंरचनात्मक पिछड़ेपन, बेरोजगारी, पलायन और सामाजिक विषमताओं से जूझता रहा है। ऐसे में सम्राट चौधरी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वे इन जटिल समस्याओं के समाधान के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करें। केवल राजनीतिक स्थिरता पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि उसे विकासात्मक स्थिरता में परिवर्तित करना होगा। सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत क्षेत्रों में निरंतर सुधार के साथ-साथ रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान देना होगा, ताकि बिहार के युवाओं को अपने ही राज्य में अवसर मिल सकें। यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि बिहार के हालिया इतिहास में यदि किसी नेता ने प्रशासनिक सुधार और सुशासन की एक स्पष्ट छवि प्रस्तुत की है, तो वह नीतीश कुमार हैं। उन्होंने जिस समय सत्ता संभाली, उस समय बिहार 'जंगलराज' की छवि से जूझ रहा था। कानून-व्यवस्था की स्थिति दयनीय थी, अवसंरचना लगभग ध्वस्त थी और राज्य की छवि राष्ट्रीय स्तर पर नकारात्मक थी। ऐसे समय में नीतीश कुमार ने सड़क, बिजली और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार किए। विशेष रूप से बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए साइकिल योजना जैसी पहलें सामाजिक परिवर्तन का आधार बनीं। उन्होंने प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही को भी बढ़ाने का प्रयास किया, जिससे शासन के प्रति जनता का विश्वास पुनः स्थापित हुआ। नीतीश कुमार का व्यक्तित्व एक संतुलित, संयमित और व्यावहारिक नेता के रूप में उभरता है। वे आक्रामक राजनीति के बजाय संवाद और सहमति की राजनीति के पक्षधर रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठाकर विकास के एजेंडे से जोड़ने का प्रयास किया। हालांकि समय के साथ उनकी राजनीतिक रणनीतियों और गठबंधनों में बदलाव ने उनकी छवि को कुछ हद तक प्रभावित भी किया, लेकिन उनके द्वारा स्थापित प्रशासनिक मानक आज भी बिहार के लिए एक संदर्भ बिंदु बने हुए हैं। सम्राट चौधरी के लिए यह एक बड़ी चुनौती और अवसर दोनों है कि वे इन स्थापित मानकों को न केवल बनाए रखें, बल्कि उन्हें और आगे बढ़ाएं। उन्हें यह समझना होगा कि बिहार की जनता अब केवल वादों से संतुष्ट नहीं होती, बल्कि परिणाम चाहती है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभी भी सुधार की व्यापक संभावनाएं हैं।

आप का नजरीया

आशा की सुरंगें

देश ने आशाओं के कई समुद्र बनाए हैं और जब इनकी लहरें हिमाचल के करीब आती हैं, तो आत्मसम्मान के शगुन से पर्वतीय प्रदेश भी गौरवान्वित होता है। बल्क ड्रग पार्क की परिकल्पना भी कुछ इसी महत्त्व की गाथा है, जहां ढाई सौ करोड़ की लागत से साइट विकास एवं आधारभूत संरचना का निर्माण होगा। कुछ इसी तरह फोरलेन के निर्माण ने बिलासपुर को आर्थिक गतिविधियों के आंगन तक पहुंचा दिया। एक छोटा सा गांव बघेड़ अब पर्यटन की छावं में विकसित हो रहा है, तो कल जब मटौर-हमीरपुर, पठानकोट-मंडी और रानीताल-ऊना या जालंधर नादौन-जालंधर-धर्मशाला जैसे मार्ग फोरलेन की परिधि में मुकम्मल होंगे, तो प्रदेश का एक नया आर्थिक भूमंडल बनेगा। बेशक इन मार्गों के फैलते आकार में निजी क्षेत्र अपना व्यापार बदल रहा है, तो क्या सरकार भी विकास की गतिविधियां बदलेगी। फोरलेन के साथ पर्यटन परिसर, नए निवेश केंद्र, ट्रांसपोर्ट नगर, सेटेलाइट टाउन और सांस्कृतिक एवं स्पोर्ट्स सेंटरों पर निवेश किया जाए, तो विकास की हवाएं आर्थिक संपन्नता का आधार पैदा करेंगी। इसके लिए राजनीति का स्तर पूर्वाग्रही न होकर पूरे प्रदेश की समग्रता में कार्य करे, तो परिवर्तन आएगा, वरना सत्ता के प्रभावशाली चेहरे विकास की मिट्टी को ही खराब कर देंगे। देश ने मंगलवार को दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे की सौगात में 212 किलोमीटर का सफर ढाई घंटे में सुनिश्चित किया, तो कल चंडीगढ़ से धर्मशाला तक भी तीन घंटे में पहुंचा जा सकता है। जालंधर से कांगड़ा अगर डेढ़-दो घंटे में पहुंचा जाए, तो विकास के फेरे-विकास के घेरे बढ़ जाएंगे। हम पठानकोट की ट्रेन को बड़ी पटरियों का सपना दिखाते हैं, लेकिन यह नहीं सोचते कि अंब-अंदौरा के रास्ते सारे मंदिर जुड़ जाएंगे। अंब-अंदौरा से चिंतपूर्णी और फिर ज्वालाजी अगर पहला चरण हो जाए, तो दूसरे चरण में कांगड़ा-चामुंडा, बैजनाथ जुड़ सकता है। उधर बिलासपुर तक पहुंच रही ट्रेन अगर हमीरपुर से ज्वालाजी को जोड़ दे, तो हिमाचल बदल जाएगा। हिमाचल कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार से अगली सदी में छलांग लगाने के योग्य हो जाएगा। इसी बीच जिस तरह अटल टनल ने प्रदेश की पर्यटन आबो हवा में अपनी क्षमता खोल दी है, उसे देखते हुए तमाम सुरंग परियोजनाओं का श्री गणेश हो जाना चाहिए। जलोड़ी सुरंग की डी पी आर पर सैद्धांतिक मंजूरी के संदेश एहसास दिलाते हैं कि मंजिलें नजदीक आ रही हैं। इसी के साथ होली-उतराला सुरंग के सपने भी इसी सदी के सूरज को बुला रहे हैं। अगर इस सुरंग को आगे बढ़ाएं, तो एक अनूठे हिमाचल के दर्शन होंगे। सुरंग रास्तों के जरिए पर्यटन परिदृश्य और कबाइली इलाकों के संसर्ग नजदीक आएंगे। एक आशा की सुरंग विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप पठानिया भी दिखा रहे हैं। उनके अनुसार चुवाड़ी-चंबा सुरंग का कार्य इसी वर्ष शुरू होने जा रहा है। करीब 2600 करोड़ की लागत से अगर चंबा से चुवाड़ी तक सुरंग मार्ग बिछता है, तो इस जिला की आर्थिक गतिविधियां भी बढ़ जाएंगी और शिमला से चंबा की दूरी कई घंटे कम हो जाएगी। पर्वतीय दुरुहता के आलम के बीच सुरंग मार्गों के अलावा दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे की तर्ज पर एलिवेटिड रोड बनाने चाहिएं। बड़े जलाशयों पर पुलों के माध्यम से आर पार के दुनिया नजदीक लानी होगी। हिमाचल को अब चंडीगढ़, लुधियाना व जालंधर से सीधे फोरलेन से रास्ता मिलता है, तो जयपुर-उदयपुर, नैनीताल, कुरुक्षेत्र, देहरादून व हरिद्वार तक की परिधि में पर्यटन के कई पैकेज मजबूत हो जाएंगे।

एक छोटा सा गांव बघेड़ अब पर्यटन की छावं में विकसित हो रहा है, तो कल जब मटौर-हमीरपुर, पठानकोट-मंडी और रानीताल-ऊना या जालंधर नादौन-जालंधर-धर्मशाला जैसे मार्ग फोरलेन की परिधि में मुकम्मल होंगे, तो प्रदेश का एक नया आर्थिक भूमंडल बनेगा। बेशक इन मार्गों के फैलते आकार में निजी क्षेत्र अपना व्यापार बदल रहा है, तो क्या सरकार भी विकास की गतिविधियां बदलेगी। फोरलेन के साथ पर्यटन परिसर, नए निवेश केंद्र, ट्रांसपोर्ट नगर, सेटेलाइट टाउन और सांस्कृतिक एवं स्पोर्ट्स सेंटरों पर निवेश किया जाए, तो विकास की हवाएं आर्थिक संपन्नता का आधार पैदा करेंगी। इसके लिए राजनीति का स्तर पूर्वाग्रही न होकर पूरे प्रदेश की समग्रता में कार्य करे, तो परिवर्तन आएगा, वरना सत्ता के प्रभावशाली चेहरे विकास की मिट्टी को ही खराब कर देंगे। देश ने मंगलवार को दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे की सौगात में 212 किलोमीटर का सफर ढाई घंटे में सुनिश्चित किया, तो कल चंडीगढ़ से धर्मशाला तक भी तीन घंटे में पहुंचा जा सकता है। जालंधर से कांगड़ा अगर डेढ़-दो घंटे में पहुंचा जाए, तो विकास के फेरे-विकास के घेरे बढ़ जाएंगे। हम पठानकोट की ट्रेन को बड़ी पटरियों का सपना दिखाते हैं, लेकिन यह नहीं सोचते कि अंब-अंदौरा के रास्ते सारे मंदिर जुड़ जाएंगे। अंब-अंदौरा से चिंतपूर्णी और फिर ज्वालाजी अगर पहला चरण हो जाए, तो दूसरे चरण में कांगड़ा-चामुंडा, बैजनाथ जुड़ सकता है। उधर बिलासपुर तक पहुंच रही ट्रेन अगर हमीरपुर से ज्वालाजी को जोड़ दे, तो हिमाचल बदल जाएगा। हिमाचल कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार से अगली सदी में छलांग लगाने के योग्य हो जाएगा।

दृष्टि कोण

योग है संपूर्ण फिटनेस कार्यक्रम

किसी ने सच ही तो कहा है कि स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है। बिना अच्छे स्वास्थ्य के धन दौलत, पद प्रतिष्ठा व अन्य भौतिक सुख सुविधाएं सब बेमानी लगते हैं। जनमानस का स्वास्थ्य उत्तम हो, इस सबके लिए इस कॉलम के माध्यम से समय समय पर योग के बारे में जानकारी देकर योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है। दौड़ती-भागती जीवन शैली के कारण मनुष्य के पास अपने लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है जो उनके स्वास्थ्य को सुधार कर व्यवस्थित रख सके। आज मानव ने विज्ञान में नए-नए शोध कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा क्षेत्र में इतनी प्रगति कर ली है कि इसके कारण जीवन काफी आसान तो हो गया है, मगर शारीरिक श्रम जो पहले यूं ही दिनचर्या में आसानी से हो जाता था, अब उसके लिए आज अलग से फिटनेस कार्यक्रम चाहिए होता है। समय बचाती दुनिया के लिए योग मुख्य विकल्प है जो कम श्रम कर अधिक फिटनेस दे सकता है। अब आम जनमानस के लिए योग के बारे में जानना जरूरी हो जाता है। पहले भी कई बार इस कॉलम के माध्यम से योग के बारे में लिखा जाता रहा है, ताकि आम जनमानस इसे अपना कर स्वास्थ्य लाभ कर सकें। सैकड़ों वर्ष पूर्व महर्षि पतंजलि ने योग को लिखित रूप में संग्रहित किया और योग सूत्र की रचना की। योग सूत्र की रचना के कारण पतंजलि को योग का जनक कहा जाता है। योग के महान ग्रंथ में योग के बारे में कहा गया है कि मन की वृत्तियों में नियंत्रण करना ही योग है। यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान व समाधि यह अष्टांग योग के आठ सूत्र हैं। आठों अंगों में प्रथम दो यम व नियम को नैतिक अनुशासन, आसन, प्राणायाम व प्रत्याहार को शारीरिक अनुशासन व धारणा, ध्यान, समाधि को मानसिक अनुशासन बताया गया है। योग हमें यम एवं नियम द्वारा व्यक्ति के मन और मस्तिष्क को ठीक करने की सलाह देता है। आसन और प्राणायाम करने से पूर्व यदि व्यक्ति यम एवं नियमों का पालन नहीं करता है तो उसे योग से पूर्ण स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल सकता है। यम और नियम की विस्तार से

चर्चा जरूरी है। संयम मन, वचन और कर्म से होना चाहिए। इसका पालन न करने से व्यक्ति का जीवन व समाज दोनों दुष्प्रभावित होते हैं। इससे मन मजबूत और पवित्र होता है तथा मानसिक शक्ति बढ़ती है। सत्य, अहिंसा, असतेय, ब्रहमचर्य व अपरिग्रह यह नियम व्यक्तिगत नैतिकता के हैं। मनुष्य को कर्तव्य परायण बनाने तथा जीवन को सुव्यवस्थित करने हेतु पांच नियमों का विधान किया गया है। ये नियम हैं शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय व ईश्वर प्राणिधान। यम यानी मन, वचन एवं कर्म से सत्य का पालन व मिथ्या का त्याग। जिस रूप में देखा, सुना एवं अनुभव किया हो उसी रूप में उसे बतलाना सत्य है। अहिंसा दूसरा सूत्र है, इसमें किसी को मारना ही केवल हिंसा का रूप नहीं है, बल्कि किसी भी प्राणी को कभी भी किसी प्रकार का दुख न पहुंचाना अहिंसा है। असतेय अर्थात चोरी न करना। छल से, धोखे से, झूठ बोलकर, बेईमानी से किसी चीज को प्राप्त करना भी चोरी है। जिस पर अपना अधिकार नहीं उसे लेना भी इसी श्रेणी में आता है। ब्रह्मचर्य मन, वचन एवं कर्म से यौन संयम अथवा मैथुन का सर्वथा त्याग करना ब्रह्मचर्य है। सभी इंद्रिय जनित सुखों में संयम बरतना। अपरिग्रह अपने स्वार्थ के लिए धन, संपत्ति एवं भोग की सामग्री में संयम न बरतना परिग्रह है। इसका अभाव अपरिग्रह है। आवश्यकता से अधिक संचय करना अपरिग्रह है। दूसरों की वस्तुओं की इच्छा न करना। मन, वचन एवं कर्म से इस प्रवृत्ति को त्यागना ही अपरिग्रह है। नियमों में शौच के अंतर्गत पानी मिट्टी आदि के द्वारा शरीर, वस्त्र, भोजन, मकान आदि के मल को दूर करना बाह्य शुद्धि माना जाता है।

बिहार में सत्ता परिवर्तन के साथ ही सुबह सुबह कई जेलों में एक साथ छापेमारी

पटना (हिंस)। बिहार में नई सरकार के गठन के साथ ही शासन और प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रहा है। इसी कड़ी में पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर प्रदेश के सभी जेलों में एक साथ सघन तलाशी अभियान (सर्च ऑपरेशन) चलाया गया। उत्तर बिहार की सबसे महत्वपूर्ण जेलों में शुमार मुजफ्फरपुर स्थित शहीद खुदीराम बोस केंद्रीय कारा में शुक्रवार सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब जिले के आलाधिकारी भारी पुलिस बल के साथ छापेमारी करने पहुंचे। जेल में यह छापेमारी अहले सुबह करीब 4-30 बजे शुरू हुई। जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन और वरीय पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में दर्जनों थानों की पुलिस और भारी संख्या में पुलिस लाइन के जवानों ने जेल परिसर को चारों तरफ से घेर लिया। अचानक हुई इस कार्रवाई से

जेल प्रशासन और कैदियों के बीच हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने एक-एक कर जेल के सभी वार्डों की बारीकी से तलाशी ली। अभियान की समाप्ति के बाद मीडिया से मुखातिब होते हुए एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने बताया कि यह कार्रवाई नियमित सुरक्षा समीक्षा और पुलिस मुख्यालय के दिशा-निर्देशों के आलोक में की गई थी। उन्होंने कहा कि मेरे और जिलाधिकारी के नेतृत्व में जेल की सघन तलाशी ली गई। इस दौरान सिटी एसपी, ग्रामीण एसपी, सभी एसडीपीओ और कई थानों की पुलिस के साथ-साथ पुलिस लाइन से अतिरिक्त बल की तैनाती की गई थी। एसएसपी ने राहत जताते हुए जानकारी दी कि घंटों चली इस सघन तलाशी के बावजूद जेल के भीतर से कोई भी आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई है। सिवान मंडल कारा में डीएम विवेक रंजन मैत्रेय और एसपी पूरन कुमार झा के नेतृत्व में छापेमारी की गई। करीब एक घंटे तक चली इस कार्रवाई में पांच थानों की पुलिस और अतिरिक्त बल शामिल रहा, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसी तरह भोजपुर में डीएम तन्य सुल्तानिया और एसपी राज के नेतृत्व में सुबह चार बजे से छह बजे तक संयुक्त छापेमारी की गई। अधिकारियों ने सभी वार्डों की गहन तलाशी ली, लेकिन यहां भी कुछ आपत्तिजनक बरामद नहीं हुआ। बक्सर केंद्रीय कारा में डीएम और एसपी के नेतृत्व में करीब ढाई घंटे तक तलाशी अभियान चला। वहीं वैशाली में डीएम वर्षा सिंह और एसपी विक्रम सिहाग के नेतृत्व में लगभग दो घंटे तक छापेमारी की गई। भागलपुर के शहीद जुब्बा सहनी केंद्रीय कारा में जिलाधिकारी और पुलिस प्रशासन की टीम ने संयुक्त निरीक्षण किया. डीएम और एसएसपी स्तर के अधिकारियों ने जेल की सुरक्षा, साफ-सफाई, बंदियों की सुविधाओं और विधि-व्यवस्था का बारीकी से आकलन किया। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिया कि निगरानी प्रणाली को और मजबूत किया जाए और किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी। सीतामढ़ी जेल में छापेमारी के दौरान प्रशासन को एक वार्ड से संदिग्ध कागजात मिला, जिसमें मोबाइल नंबर और आपत्तिजनक बातें दर्ज थीं। इसके बाद प्रशासन और सतर्क हो गया है। अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि कुख्यात अपराधियों को अब केंद्रीय कारा में शिफ्ट किया जा सकता है। बिहार में हुए इस बड़े प्रशासनिक फेरबदल के तुरंत बाद जेलों में हुई इस छापेमारी को कानून-व्यवस्था मजबूत करने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। प्रशासन की इस सख्ती से अपराधियों के मनोबल टूटने की उम्मीद जताई जा रही है।

महिला आरक्षण का विरोध करने वाले दलों का राजनीतिक भविष्य अंधकारमय : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को कहा कि यह सोलह आने सच है कि महिला आरक्षण का विरोध करने वाले दलों का राजनीतिक भविष्य अंधकारमय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश की बागडोर संभालने के बाद न केवल नारी का सम्मान बढ़ा है, बल्कि वह अपने अधिकारों के साथ निरंतर विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रही है। उप मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से शुक्रवार को जारी बयान में केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि महिला आरक्षण का विरोध और मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों की सच्चाई अब जनता समझ चुकी है। इसमें अव्वल सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव हैं। लोकसभा में महिला आरक्षण में पिछड़ी वर्ग की महिलाओं के साथ मुस्लिम महिलाओं को जोड़ने की मांग करना उनकी *वोट बैंक* की घटिया राजनीति है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा मुखिया अगर वाकई पिछड़ा वर्ग के हितैषी होते, तो वे संसद में ओबीसी/ईबीसी के लिए 27 फीसदी आरक्षण की मांग करते। तब इसका सीधा मतलब सैफई खानदान की राजनीति का अंत होना होता। अखिलेश यादव बेहतर तरीके से जानते हैं कि लोकसभा में 27 फीसदी पिछड़ा वर्ग व अति पिछड़ा वर्ग आरक्षण लागू होने से केवल उत्तर प्रदेश में ही उनकी टक्कर के सैकड़ों नए नेताओं की नर्सरी तैयार हो जाएगी। इससे उनकी अपनी *परिवारवादी* राजनीति पर ग्रहण लग जाएगा। सपा-कांग्रेस-राजद-टीएमसी-वामपंथ सब धोखा हैं। भाजपा है, तो भरोसा है। मोदी जी हैं, तो सब चोखा है।

बिहार में जनगणना 2027 का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ

पटना (हिंस)। विश्व के सबसे बड़े प्रशासनिक एवं सांख्यिकीय अभियान *भारत की जनगणना-2027* का मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज अपओ सचिवालय से माउस क्लिक कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्यवासियों से जनगणना प्रक्रिया में सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनगणना सुशासन की आधारशिला है, जो आगामी वर्षों में विकास योजनाओं, नीतियों और कल्याणकारी कार्यक्रमों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जनगणना-2027 तकनीकी दृष्टि से एक ऐतिहासिक पहल है। इसमें पहली बार पूर्णत: डिजिटल डेटा संग्रहण तथा स्व-गणना की सुविधा 17 अप्रैल 2026 से 01 मई 2026 उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में जनगणना-2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 02 मई 2026 से 31 मई 2026 तक किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे इस राष्ट्रीय महत्व के अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें।

शहीदों के सपनों का भारत बनाने की आवश्यकता : आर्य

जोधपुर (हिंस)। आर्य वीर दल जोधपुर के तत्वावधान मे राष्ट्र रक्षार्थ देवयज्ञ का आयोजन कर अमृतसर स्थित जलियांवाला बाग में अंग्रेजों द्वारा की गई भीषण गोलीबारी में शहीद हुए देशभक्तों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता राजस्थान आर्य प्रतिनिधि प्रतिनिधि सभा के उप प्रधान नारायण सिंह आर्य ने अंग्रेजों द्वारा भारतीयों के साथ किए गए अत्याचारों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आज शहीदों के सपनों का भारत बनाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर पूर्व विधायक मनीषा पवार ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को शहादत से परिचय करवाने की सख्त आवश्यकता हैं। कार्यक्रम में प्रतिपक्ष नेता गणपत सिंह चौहान, आर्य वीर जोधपुर के संयोजक शिव प्रकाश सोनी, कोषाध्यक्ष मदन गोपाल आर्य, संरक्षक गजे सिंह भाटी, भंवरलाल आर्य, पुनाराम आर्य, मोहन आर्य, लक्ष्मी शेखावत आदि गणमान्य आर्य जनों ने उपस्थित होकर स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सरकार से निराश पशुपालक अब भगवान श्रीराम की शरण में : जंगल बचाने की पीड़ा लेकर किया अयोध्या कूच

जयपुर (हिंस)। पश्चिमी राजस्थान की तपती रेत से उठी पशुपालकों और किसानों की पीड़ा अब आस्था के द्वार तक पहुंचने जा रही है। तनोट माता मंदिर से 21 जनवरी को शुरू हुई ओरण-गोचर भूमि बचाने की पदयात्रा तीन माह का सफर तय कर जयपुर पहुंची है। सैकड़ों पशुपालक और किसान इस यात्रा के जरिए अपनी पारंपरिक जमीनों और जल स्रोतों को बचाने की मांग उठा रहे हैं, लेकिन लगातार मिल रहे आश्वासनों के बाद भी ठोस कार्रवाई नहीं होने से अब उन्होंने भगवान श्रीराम अयोध्या की शरण में जाने का निर्णय लिया है। पद यात्रियों की मुख्य मांग ओरण देव वन, गोचर भूमि, तालाब, खड़ीन, आगोर और प्राचीन कुओं को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज कराने की है। उनका कहना है कि ये संसाधन केवल जमीन का हिस्सा नहीं, बल्कि उनकी आजीविका, संस्कृति और आने वाली पीढ़ियों का आधार हैं। ओरण बचाओ यात्री सुमेर सिंह और भोपाल सिंह ने बताया कि उन्होंने अपनी मांगों को लेकर प्रशासन और सरकार के सामने कई बार गुहार लगाई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। तीन माह की इस लंबी यात्रा के बावजूद अब तक कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि सरकारी उदासीनता के कारण जैसलमेर जिले में लाखों पशुओं के लिए प्राकृतिक चारागाहों पर संकट गहराता जा रहा है। यदि समय रहते इन भूमि और जल स्रोतों को संरक्षित नहीं किया गया, तो पशुधन और ग्रामीण जीवन पर गंभीर असर पड़ेगा। अब यह पदयात्रा जयपुर से अयोध्या के लिए रवाना होगी, जहां पदयात्री भगवान श्रीराम के समक्ष अपनी पीड़ा का ज्ञापन प्रस्तुत करेंगे। पद यात्रियों का कहना है कि जब शासन-प्रशासन से उम्मीद टूटने लगती है तो आस्था ही अंतिम सहारा बनती है। उन्होंने कहा कि हम जंगल बचाने निकले हैं, क्योंकि यही हमारे जीवन का आधार है। जब हमारी बात सरकार तक नहीं पहुंची तो अब हम राम दरबार में अपनी फरियाद लेकर जाएंगे। पदयात्रियों ने चेतावनी दी है कि यदि अयोध्या यात्रा के बाद भी उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं होती है तो वे जैसलमेर लौटकर बड़े स्तर पर आंदोलन शुरू करेंगे। यह पदयात्रा अब केवल मांगों तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह उस संघर्ष का प्रतीक बन गई है, जिसमें एक ओर विकास की दौड़ है और दूसरी ओर प्रकृति, परंपरा और आजीविका को बचाने की जंग है।

वैशाख अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने किया पिंडारा तीर्थ पर पिंडदान

जींद (हिंस)। पांडु पिंडारा स्थित पिंडतारक तीर्थ पर शुक्रवार को वैशाख अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने सरोवर में स्नान किया तथा पिंडदान कर पितृ तर्पण किया और सुखद भविष्य की कामना की। ऐतिहासिक पिंडतारक तीर्थ पर गुरुवार शाम से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। गुरुवार की पूरी रात धर्मशालाओं में सत्संग तथा कीर्तन आदि का आयोजन चलता रहा। शुक्रवार को सुबह से ही श्रद्धालुओं ने सरोवर में स्नान तथा पिंडदान शुरू कर दिया जो मध्यान्ह के बाद तक चलता रहा। इस मौके पर दूर दराज से आएं श्रद्धालुओं ने अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया तथा सूर्यदेव को जलार्पण करके सुख समृद्धि की कामना की। महाभारत काल से ही पितृ विसर्जन की अमावस्या, विशेषकर सोमवती अमावस्या पर यहां पिंडदान करने का विशेष महत्व है। यहां पिंडदान करने के लिए विभिन्न प्रांतों के लोग श्रद्धालु आते हैं। श्रद्धालुओं ने यहां खरीददारी भी की। जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने बताया कि वैशाख अमावस्या पर दक्षिण भारत में शनि जयंती मनाई जाती है। ऐसे में इस दिन स्नान, दान, श्राद्ध कर्म, विष्णु और शनि देव की पूजा का अक्षय पुण्य प्राप्त होता है।

कानपुर पुलिस आयुक्त ने 12 पुलिसकर्मियों निलंबित किया

कानपुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश में कानपुर नगर के पुलिस आयुक्त रघुवीर लाल ने शुक्रवार को 12 पुलिस कर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई 30 दिनों से अधिक समय से बिना अनुमति ड्यूटी से अनुपस्थित होने के कारण की गयी है। पुलिस आयुक्त ने बताया कि बिना अनुमति के ड्यूटी से अनुपस्थित चल रहे 12 पुलिसकर्मियों को आज निलंबित किया गया है। पूर्व में इन सभी को कई बार नोटिस भेजकर ड्यूटी ज्वाइन करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने उपस्थिति दर्ज नहीं कराई। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए विभागीय कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि निलंबित पुलिसकर्मियों में दरोगा मोनू सिंह 54 दिन अनुपस्थित रहे। इनके अलावा दरोगा राजेन्द्र कुमार तिवारी 139 दिन, आरक्षी दुष्यन्त 168 दिन, अंकुर 135 दिन, करन दिन, जितेन्द्र 43 दिन, प्रवीण कुमार 40 दिन भूपेन्द्र 52 दिन, रवि 107 दिन और स्वीपर छोटे लाल 56 दिन अनुपस्थित रहें।

पंजाब में रेल रोको आंदोलन स्थगित किसान संगठनों ने सरकार को दिए तीन दिन

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में किसान संगठनों ने आज होने वाले रेल रोको आंदोलन को फिलहाल स्थगित कर दिया है। पंजाब सरकार ने किसानों से तीन दिन का समय मांगा था। इसी को ध्यान में रखते हुए सभी संगठनों ने आज का रेल रोको कार्यक्रम स्थगित करने का फैसला लिया है। किसान नेता सर्वन सिंह पंधेर ने बताया कि यह फैसला विभिन्न किसान संगठनों की ओर से आयोजित एक वर्चुअल (जूम) बैठक के बाद सर्वसम्मति से लिया गया। पहले यह आंदोलन दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक चलाया जाना था, जिसके तहत पूरे प्रदेश में रेल सेवाएं रोकने की तैयारी थी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की कैबिनेट बैठक भी प्रस्तावित है, इसलिए सरकार को समाधान के लिए मौका देना जरूरी समझा गया। किसान नेताओं का कहना है कि पिछले 10 से 15 दिनों से राज्य की मंडियों में किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गेहूं की खरीद और लिफ्टिंग में देरी के कारण किसान अपनी फसल लेकर मंडियों में बैठे हैं और उन्हें आर्थिक व मानसिक दिक्कतों से गुजरना पड़ रहा है।उन्होंने बताया कि इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार से गेहूं

खरीद के नियमों में राहत दिलवाना था। किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार ने इस मुद्दे पर देर से कार्रवाई की। उनका कहना है कि हरियाणा पहले ही केंद्र सरकार को पत्र लिख चुका था और राजस्थान ने भी 5 अप्रैल को किसानों की परेशानियों को लेकर अपनी बात रख दी थी। इसके विपरीत, पंजाब सरकार ने रेल रोको आंदोलन की घोषणा के बाद केंद्र को पत्र लिखा, जिससे समस्या और बढ़ी। किसानों के अनुसार यह स्थिति भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार और अरविंद केजरीवाल की नीतियों में देरी के कारण उत्पन्न हुई है। हालांकि अब केंद्र सरकार द्वारा नियमों में ढील दिए जाने की संभावना जताई जा रही है, जिससे उम्मीद है कि खरीद प्रक्रिया जल्द सुचारू हो जाएगी। किसान संगठनों ने बताया कि शनिवार को लुधियाना में संयुक्त किसान मोर्चा की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है, जिसमें आगे की रणनीति तय की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार और कुछ मीडिया माध्यमों द्वारा यह प्रचार किया जा रहा था कि रेल रोको आंदोलन से आम जनता को परेशानी होगी। इस पहलू को ध्यान में रखते हुए और जनता को असुविधा से बचाने के लिए यह निर्णय लिया गया है। हालांकि उनका मानना है कि तीन घंटे के आंदोलन से बहुत बड़ा असर नहीं पड़ता, लेकिन सरकार उनके आंदोलन को कमजोर करने की कोशिश कर रही थी। किसान नेताओं ने प्रदेश के किसानों और मजदूरों से अपील की है कि वे सतर्क और तैयार रहें। जहां भी मंडियों में खरीद से संबंधित समस्याएं सामने आ रही हैं, वहां स्थानीय स्तर पर एकजुट होकर कार्रवाई की जा सकती है। किसान संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि तीन दिनों के भीतर समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो वे अपना आंदोलन और तेज करेंगे।

आजादी के 79 साल बाद महिला आरक्षण की गूंज राजस्थान के बांसवाड़ा ने 1953 में ही लिख दी थी इबारत

बांसवाड़ा (हिंस)। आजादी के 79 साल बाद जब केंद्र सरकार महिला आरक्षण बिल के जरिए देश की राजनीति में नारी शक्ति की भागीदारी सुनिश्चित कर रही है, तब राजस्थान के जनजातीय क्षेत्र बांसवाड़ा का इतिहास इस बदलाव की सबसे सशक्त मिसाल बनकर उभरता है। जिस राजनीतिक प्रतिनिधित्व की चर्चा आज वैश्विक स्तर पर हो रही है, उसकी शुरुआत बांसवाड़ा ने आजादी के चंद वर्षों बाद 1953 में ही कर दी थी। यह वह दौर था जब राजस्थान को अपनी पहली महिला विधायक यशोदा देवी के रूप में एक ऐसी नेता मिली, जिन्होंने रूढ़ियों को तोड़कर विधानसभा में अपनी जगह बनाई। यशोदा देवी का जन्म 1927 में मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले के नागदा में हुआ था, लेकिन उनकी कर्मभूमि राजस्थान का वागड़ अंचल बना। वनस्थली विद्यापीठ और भील आश्रम से शिक्षित होने के बाद उन्होंने समाज के वंचित तबकों की आवाज बुलंद की। रियासतकालीन व्यवस्था के खिलाफ आंदोलन हो या शराबबंदी और महिला अधिकारों के लिए संघर्ष, यशोदा देवी हर मोर्चे पर अग्रणी रहीं। वरिष्ठ पत्रकार और साहित्यकार हेमंत पाठक राही ने बताया कि 1953 में बांसवाड़ा विधानसभा सीट पर हुए ऐतिहासिक उपचुनाव में उन्होंने प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़कर कांग्रेस प्रत्याशी को बड़े अंतर से हराया और राजस्थान की पहली महिला विधायक बनने का गौरव हासिल किया था। विधायक के रूप में उन्होंने विधानसभा में सामाजिक न्याय की पुरजोर वकालत की। उनकी सेवाओं और व्यक्तित्व के सम्मान में 2003 में उन्हें *आदर्श नारी* की उपाधि से सम्मानित किया गया। हालांकि बांसवाड़ा एक जनजातीय बहुल क्षेत्र है, लेकिन यहां से यशोदा देवी के बाद कांता भील और वर्तमान में रमिला खड़िया जैसी महिलाओं ने भी विधानसभा तक पहुंचकर यह साबित किया है कि इस अंचल की महिलाओं में नेतृत्व की अपार क्षमता है। आज के संदर्भ में देखें तो महिला आरक्षण बिल उन्हीं सपनों को विस्तार दे रहा है जिसे यशोदा देवी ने पांच दशक पहले हकीकत में बदला था।

एयर कमोडोर संपत कुमार आनंद ने किया सैनिक स्कूल का दौरा, कैडेट्स को दिया संदेश

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। एनसीसी निदेशालय राजस्थान, जयपुर के उप महानिदेशक एयर कमोडोर संपत कुमार आनंद ने शुक्रवार को सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ का दौरा किया। एयर कमोडोर के स्कूल पहुंचने पर स्कूल के कार्यवाहक प्राचार्य मेजर सी श्रीकुमार ने पारंपरिक सैन्य शिष्टाचार के साथ स्वागत किया। विद्यालय के कैडेट्स ने मुख्य अतिथि को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि ने सर्वप्रथम विद्यालय परिसर में स्थित स्मृतिका पर पहुंच कर राष्ट्र के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए और दो मिनट का मौन रख कर उन्हें नमन किया। यह क्षण सभी उपस्थित जनों के लिए अत्यंत भावुक एवं प्रेरणादायी रहा। स्कूल के जनसंपर्क अधिकारी बाबूलाल शिवरान ने बताया कि इस अवसर पर स्कूल के शंकर मेनन सभागार में एक विशेष सभा का आयोजन किया गया। स्कूल की कैडेट उमा शर्मा ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। भारतीय वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारी एयर कमोडोर आनंद ने अपने उत्कृष्ट करियर और विशिष्ट उपलब्धियों से सेवा में एक महत्वपूर्ण स्थान बनाया है। वे नेशनल डिफेंस एकेडमी के पूर्व छात्र हैं और 29 जून 1996 को वायु सेना की फ्लाइंग ब्रांच में फाइटर स्ट्रीम में कमीशन प्राप्त किया। उन्होंने अपने करियर

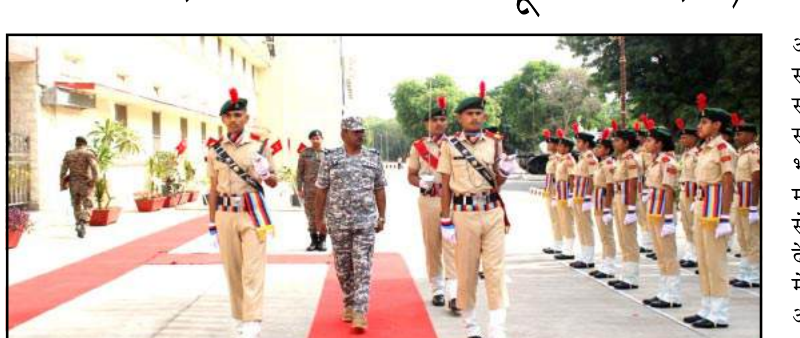

में 2850 घंटे से अधिक उड़ान भरी है, जिसमें 20 से अधिक प्रकार के फाइटर, ट्रांसपोर्ट, हेलीकॉप्टर और ट्रेनर विमान शामिल हैं। उन्होंने अपने सैन्य प्रशिक्षण और शिक्षा के दौरान भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वे मीरपुर, ढाका स्थित डिफेंस सर्विसेज कमांड एंड स्टाफ कॉलेज तथा सिकंदराबाद के कॉलेज ऑफ एयर वॉरफेयर के स्नातक हैं, जहां उन्होंने उच्च स्तर की ग्रेडिंग के साथ पाठ्यक्रम पूरे किए। अपने करियर में एयर कमोडोर आनंद ने कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं। उन्होंने वेस्टर्न एयर कमांड में एक फ्रंटलाइन कॉम्बैट स्क्वाड्रन की कमान संभाली, साउथ वेस्टर्न एयर कमांड में चीफ ऑपरेशंस ऑफिसर के रूप में कार्य किया तथा एयर फोर्स स्टेशन पोर्ट ब्लेयर में स्टेशन कमांडर के रूप में सेवाएं दीं। उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए उन्हें कई प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुए हैं। वर्ष 2011 में जगुआर विमानों पर *रेक्लाइट टैक्टिकल रिकॉनिसेंस सिस्टम* को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए उन्हें *चीफ ऑफ एयर स्टाफ* द्वारा सम्मानित किया गया। एयर कमोडोर आनंद का करियर भारतीय वायु सेना के समर्पण, साहस और तकनीकी उत्कृष्टता का प्रेरणादायक उदाहरण है। उप महानिदेशक एयर कमोडोर संपत कुमार आनंद ने कैडेट्स से बातचीत के दौरान कहा कि भारतीय वायु सेना न केवल एक सम्मानजनक करियर का अवसर प्रदान करती है, बल्कि देश की सेवा का सर्वोच्च माध्यम भी है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां साहस, तकनीकी दक्षता और नेतृत्व का अद्वितीय संगम देखने को मिलता है। आपमें से कई कैडेट्स भविष्य में वायु योद्धा बन कर राष्ट्र की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। भारतीय वायु सेना में शामिल होना केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि देश की रक्षा का संकल्प है। उन्होंने कहा कि जीवन में अनुशासन बहुत अहम है। कैडेट्स से कहा कि आत्मविश्वास से कठिन से कठिन राह को आसान बनाया जा सकता है। उन्होंने सभी छात्रों को सकारात्मक सोच रखने की सलाह दी और अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहकर उसे प्राप्त करने के लिए मेहनत करने के लिए कहा। उन्होने कहा कि पुराने समय में इस तरह की सुविधाएं नहीं थी, परंतु आज जो अच्छी सुविधाएं मिल रही है उनका सदुपयोग करे। कैडेट्स से बातचीत के दौरान उन्होंने सभी को आत्म अनुशासन, समय प्रबंधन, एकता और अनुशासन का गुण अपनाने को कहा। उन्होंने स्कूल के छात्रावासों, कैडेट्स मैस, आर्चरी रेंज एवं एयर राइफल शूटिंग रेंज, इंडोर स्टेडियम, शैक्षणिक भवन एवं प्रशासनिक भवन का निरीक्षण किया। स्कूल कैप्टेन कैडेट मधुसुदन सिंह राठौड़ ने धन्यवाद ज्ञापित किया। अंत में कार्यवाहक प्राचार्य मेजर श्रीकुमार ने स्कूल परिवार की ओर से स्मृति चिन्ह भेट किया।

प्रजनन स्थल की ओर लौटने लगे प्रवासी पक्षी

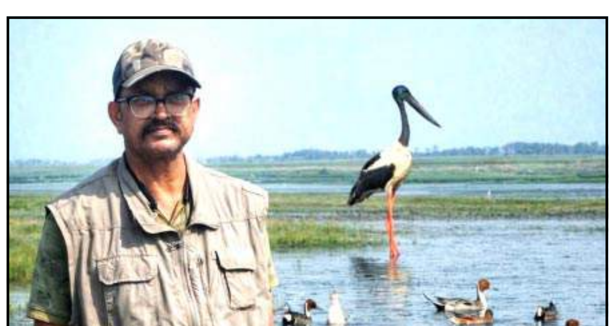

भागलपुर (हिंस)। शरद ऋतु के जाते ही ग्रीष्म ऋतु ने शुरू हो गया है। भागलपुर जिले के नवगछिया इलाके के बिहपुर में स्थित गंगा दियारा के सोनवर्षा घटोरा वेटलैंड क्षेत्र में जैसे ही गर्मी की शुरुआत होती है, वैसे ही ठंडे प्रदेशों जैसे सेंट्रल एशिया और साइबेरियन क्षेत्र से आने वाले प्रवासी पक्षी वापस लौटने लगे हैं। बिहार जलपक्षी गणना के अनुसार इस शरद ऋतु में घटोरा वेटलैंड में लगभग 12 हजार प्रवासी/विदेशी पक्षी आए थे। ये पक्षी सर्दियों में यहां अनुकूल जलवायु और भोजन की उपलब्धता के कारण आते हैं। तापमान बढ़ने पर ये अपने प्रजनन स्थलों की ओर लौट जाते हैं। पर्यावरण और पक्षीविद दीपक कुमार झुन्नू बताते हैं कि मुख्य प्रवासी पक्षियों में राजहंस, लालसर, तिदारी बत्तख, चैता, सिंकपर, कामन टील, कुशिया चाहा गडबाल और ग्रेलेग गूज शामिल हैं। ये सभी सर्दियों में जलाशयों और वेटलैंड में बड़ी संख्या में देखे जाते हैं। कुछ पक्षियों का रिटर्न माइग्रेशन थोड़ी देर से होता है, जैसे ब्लैक-टेल्ड गाडविट, स्पाटेड रेडशैंक और ग्रीनशैंक। ये पानी के किनारे रहने वाले पक्षी अभी कुछ समय तक यहां रुकते हैं क्योंकि दलदली क्षेत्रों में उन्हें पर्याप्त भोजन मिलता है। झून्नु बताते हैं कि जैसे-जैसे ये शीतकालीन अतिथि/प्रवासी पक्षी लौटते हैं, वैसे-वैसे स्थानीय ग्रीष्मकालीन पक्षियों का आगमन शुरू हो जाता है। इस समय क्षेत्र में कोयल, पपीहा, व्हाइट-टेल्ड स्टोन चैट, वेडर समूह की पक्षियां, साथ ही विभिन्न मत्स्य भक्षी और कीटभक्षी पक्षी कलरव करने लगते हैं। दीपक कहते हैं कि घटोरा का पक्षी संसार मौसम के अनुसार बदलता रहता है। हर ऋतु में यह क्षेत्र नए आकर्षण और पक्षियों की विविधता पेश करता है, जिससे पर्यटक और पक्षी प्रेमी दोनों का मन मोह लिया जाता है।

सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च हुआ सिटियस ट्रांसनेट का आईपीओ, 21 अप्रैल तक लगा सकते हैं बोली

नई दिल्ली

इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के सिटियस ट्रांसनेट इनवेस्टमेंट ट्रस्ट का 1,105 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 21 अप्रैल तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 24 अप्रैल को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 27 अप्रैल को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 29 अप्रैल को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 99 रुपये से लेकर 100 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। इस आईपीओ के तहत 1,105 करोड़ रुपये के कुल 11.05 करोड़ नए शेयर जारी हो रहे हैं। सिटियस ट्रांसनेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट इस आईपीओ के जरिये मिलने वाली राशि का इस्तेमाल एसआरपीएल रोड्स प्राइवेट लिमिटेड और त्रिशूर एक्सप्रेसवे लिमिटेड, जोराबट शिलांग एक्सप्रेसवे लिमिटेड, धोला इंफ्रा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और दिबांग इंफ्रा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड जैसे कुछ चिन्हित प्रोजेक्ट्स की सिक्योरिटीज के आंशिक या पूर्ण अधिग्रहण के लिए करेगी। इसके अलावा इस राशि का इस्तेमाल सामान्य कारपोरेट उद्देश्यों के लिए भी किया जाएगा। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए अधिकतम 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए न्यूनतम 25 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए एक्सिस कैपिटल लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलाजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। सिटियस ट्रांसनेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार-चढ़ाव होता रहा है।

न्यूज ब्रीफ

बुजुर्गों के उपयोग के लिए ये 5 कारें है बेस्ट!

नई दिल्ली। घर के बुजुर्गों के उपयोग के लिए चढ़ना-उतरना आसान हो, भरपूर जगह हो और खराब रास्तों पर कमर में झटके न लगें, ऐसी कारें सुविधाजनक होती है। ऐसे में कार खरीदने से पहले एक्सपर्ट ने सभी बातों को ध्यान में रखते हुए 5 कारों का परीक्षण किया है, जो सीनियर सिटीजन्स के लिए बेहतरीन मानी जाती हैं। एक्सपर्ट की माने तो टोयोटा इनोवा हाईक्रास फैमिली के साथ सफर के लिए लाजवाब है। इसकी पीछे की सीटों पर ओटोमन सपोर्ट मिलता है, जिससे बुजुर्ग आराम से पैर फैलाकर बैठ सकते हैं। इसका हाइब्रिड इंजन बेहद शांत है और पीछे के शीशों पर पर्दे धूप से बचाव करते हैं। वहीं महिंद्रा एक्सयूवी 7 कार का सस्पेंशन शानदार है, जो सड़क के गड्ढों को महसूस नहीं होने देता। इसके बड़े खुलने वाले दरवाजे और साफ्ट कुशनिंग वाली सीटें बुजुर्गों को अंदर आने-जाने में आसानी देती है। गाड़ी की अच्छी ऊंचाई से बाहर का नजारा भी साफ दिखता है। एमजी विंडसर प्रो (इलेक्ट्रिक) इलेक्ट्रिक गाड़ी होने के नाते, यह बेहद शांत है। इसका सफेद और क्रीम कलर का इंटीरियर गाड़ी को खुला-खुला महसूस कराता है। इसमें हाई-टेक सेफ्टी फीचर्स और एक स्मूथ राइड मिलती है, जिससे लंबी दूरी की यात्राएं भी आरामदायक हो जाती हैं। सिट्रोएन बसाल्ट जो लोग कम बजट में लग्जरी आराम चाहते हैं, उनके लिए यह बेस्ट है। इसकी राइड क्वालिटी इतनी शानदार है कि यह चलते हुए सोफे जैसी लगती है। पीछे की तरफ एसी वेंट्स, वेंटिलेटेड सीटें और एक्स्ट्रा लेगरूम इसे बुजुर्गों की लंबी यात्राओं के लिए पसंदीदा कार बनाते हैं। इसी कडी में टाटा कंपनी की नई टाटा सिएरा को विशेष रूप से आराम के लिए बनाया गया है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला मेहुल टेलिकाम का आईपीओ, 24 अप्रैल को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली। टेलिकाम सेक्टर में काम करने वाली कंपनी मेहुल टेलिकाम लिमिटेड का 88.02 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 21 अप्रैल तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 22 अप्रैल को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 23 अप्रैल को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 24 अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर लिस्ट हो सकते हैं। दोपहर बारह बजे तक कंपनी का आईपीओ 58 प्रतिशत सब्सक्राइब हो चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 98 रुपये से लेकर 98 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 1,200 शेयर का है। मेहुल टेलिकाम के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लाट यानी 2,400 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,35,200 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 28,29,600 शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 49.91 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है।

एशिया के सबसे अमीर बने गौतम अडानी, मुकेश अंबानी को पछाड़ रचा इतिहास

मुंबई। एशिया के सबसे धनी व्यक्तियों की सूची में एक बड़ा उलटफेर हुआ है। अडानी ग्रुप के प्रमुख गौतम

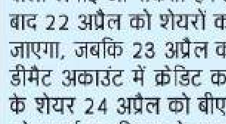

अडानी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुकेश अंबानी को पछाड़ते हुए अब एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति का खिताब हासिल कर लिया है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के आंकड़ों के अनुसार गौतम अडानी की कुल संपत्ति 92.6 अरब डालर पहुंच गई है, जिससे वह दुनिया के 19वें सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। वहीं मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 90.8 अरब डालर रह गई है, और वे वैश्विक सूची में 20वें स्थान पर खिसक गए हैं। इस साल अडानी की संपत्ति में 8.10 अरब डालर की वृद्धि हुई, जबकि अंबानी की संपत्ति में 16.9 अरब डालर की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। लिस्ट में 656 अरब डालर के साथ एलन मस्क पहले नंबर पर बने हुए हैं। गूगल के को-फाउंडर लैरी पेज 286 अरब डालर की नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर हैं। अमेजन के जेफ बेजोस (269 अरब डालर), सर्गेई ब्रिन (266 अरब डालर), मार्क जुकरबर्ग (239 अरब डालर), लैरी एलिसन (230 अरब), माइकल डेल (170 अरब), जेंसन हुआंग (164 अरब), बर्नार्ड आरनाल्ट (164 अरब) और जिम वाल्टन (150 अरब डालर) भी टाप 10 में शामिल हैं।

कच्चे तेल में फिर लगी आग, पेट्रोल-डीजल के दाम में उतार-चढ़ाव, वैश्विक बाजार में क्रूड 4 डालर प्रति बैरल उछला, कई शहरों में ईंधन महंगा

नई दिल्ली

ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध पर सुलह की कवायद में आई निराशा ने वैश्विक कच्चे तेल बाजार में हलचल मचा दी है। बातचीत विफल होती देख शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड का भाव लगभग 4 डालर प्रति बैरल बढ़कर 98 डालर के पार पहुंच गया। इस वैश्विक उछाल का सीधा असर भारत में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिख रहा है, जहां कई शहरों में ईंधन के दाम बढ़ गए हैं, जबकि महानगरों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं हुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बीते 24 घंटों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

ब्रेंट क्रूड 98.03 डालर प्रति बैरल तक पहुंच गया है, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) भी 93.06 डालर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। दरअसल, ईरान और अमेरिका के बीच संभावित शांति वार्ता की उम्मीदों ने पहले कीमतों में कुछ गिरावट लाई थी, लेकिन अब इन वार्ताओं पर अनिश्चितता के बादल मंडराने से बाजार में एक बार फिर तेजी आ गई है। इसका दबाव भारतीय सरकारी तेल कंपनियों पर भी पड़ा है। इस वैश्विक उतार-चढ़ाव के बावजूद, देश के कुछ शहरों में पेट्रोल और डीजल के दाम में बदलाव देखने को मिला है। नोएडा में शुक्रवार सुबह पेट्रोल 22 पैसे महंगा होकर 95.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 28 पैसे बढ़कर 88.29 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं गाजियाबाद में उपभोक्ताओं को थोड़ी राहत मिली है, जहां पेट्रोल 11 पैसे सस्ता होकर 94.64 रुपये और डीजल 12 पैसे गिरकर 87.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में कीमतें अपरिवर्तित रही हैं, जहां पेट्रोल 105.23 रुपये और डीजल 91.49 रुपये प्रति लीटर पर टिका हुआ है। देश की आर्थिक राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर बरकरार है।

रूसी-ईरानी तेल पर अमेरिकी छूट खत्म, भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर असर, भारत की ऊर्जा आपूर्ति रणनीतियों में खड़ी हो सकती हैं नई चुनौतियां

नई दिल्ली। अमेरिका ने रूस और ईरान से कच्चे तेल तथा पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद पर दी गई एक महीने की विशेष छूट को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्काट बेसंट ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह छूट, जो भारत के लिए पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण बढ़ी आपूर्ति की कमी को पूरा करने में सहायक थी, अब समाप्त हो गई है। इस निर्णय से भारत की ऊर्जा आपूर्ति रणनीतियों में नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। अमेरिका के वित्त मंत्री स्काट बेसंट ने स्पष्ट किया कि रूसी और ईरानी तेल के लिए सामान्य लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं किया जाएगा, क्योंकि 11 मार्च से पहले समुद्र में मौजूद सारा तेल अब इस्तेमाल हो चुका है। रूसी तेल पर यह छूट 11 अप्रैल को समाप्त हुई, जबकि ईरानी तेल पर इसी तरह की छूट 19 अप्रैल को खत्म हो रही है। इस अवधि के दौरान, पश्चिम एशिया में तनाव के चलते आपूर्ति में आई कमी को पूरा करने के लिए भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद में उल्लेखनीय वृद्धि की थी। आंकड़ों के अनुसार, मार्च में भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात बढ़कर नौ महीने के उच्चतम स्तर 20.6 लाख बैरल प्रतिदिन पर पहुंच गया था, जो फरवरी में 10.6 लाख बैरल प्रतिदिन था। हालांकि, अमेरिकी छूट खत्म होने के बावजूद, भारतीय रिफाइनरियों ने संकेत दिया है कि वे उन रूसी आपूर्तिकर्ताओं और जहाजों से कच्चे तेल की खरीद जारी रखेंगी जिन पर कोई अमेरिकी प्रतिबंध नहीं है। गौरतलब है कि भारत ने 2019 से अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन करने से बचने के लिए ईरान से ऊर्जा उत्पादों की खरीद रोक दी थी, जबकि प्रतिबंध से पहले ईरानी तेल भारत के कुल कच्चे तेल आयात का 11.5 फीसदी था।

स्पेसएक्स का रिकार्ड आईपीओ, मस्क अंतरिक्ष के बाद अब शेयर बाजार में रचेंगे इतिहास

वाशिंगटन

2 ट्रिलियन डालर के लक्ष्य के साथ नेस्डेक में गोपनीय दस्तावेज दाखिल, कंपनी के लिए नियमों में भी मिली ढील

एलन मस्क की एयरोस्पेस कंपनी स्पेसएक्स ने अमेरिकी शेयर बाजार नेस्डेक में लिस्टिंग की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने अपने बहुप्रतीक्षित आईपीओ के लिए गोपनीय दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं, जिसका लक्ष्य लगभग 2 ट्रिलियन डालर के अभूतपूर्व मूल्यांकन के साथ बाजार में उतरना है। यदि यह सौदा सफल रहा, तो यह इतिहास का सबसे बड़ा प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बन सकता है। स्पेसएक्स अपनी कुल हिस्सेदारी का एक छोटा सा भाग बेचकर लगभग 75 अरब डालर जुटाने की योजना बना रही है। 2002 में स्थापित, इस कंपनी का मूल उद्देश्य मानवता को बहुग्रह बनाना है। उसने राकेट के दोबारा उपयोग की तकनीक विकसित कर अंतरिक्ष प्रक्षेपण की लागत को नाटकीय रूप से 5 फीसदी तक कम कर दिया है, जिससे 600 से अधिक सफल राकेट लैंडिंग हुई हैं। कंपनी की आय का बड़ा हिस्सा उसके सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक से आता है, जिसके दुनिया भर में एक करोड़ से अधिक ग्राहक हैं। विस्तार और रणनीतिक विलय: फरवरी 2026 में ग्रोक का डेवलपर के साथ हुए 1.25 ट्रिलियन डालर के विलय ने इस आईपीओ की नींव तैयार की है। मस्क के मुताबिक आईपीओ से जुटाई गई रकम का उपयोग अंतरिक्ष में बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा संचालित डेटा सेंटर सैटेलाइट स्थापित करने के लिए किया जाएगा, ताकि पृथ्वी की ऊर्जा सीमाओं को पार किया जा सके। नेस्डेक के नियमों में बदलाव: स्पेसएक्स की संभावित लिस्टिंग को देखते हुए, नेस्डेक ने अपने कुछ नियमों में ढील दी है। इसमें आमतौर पर आवश्यक 10 फीसदी सार्वजनिक हिस्सेदारी की शर्त और इंडेक्स में शामिल होने की समय-सीमा को तीन महीने से घटाकर 15 ट्रेडिंग दिन करना शामिल है। इससे स्पेसएक्स तेजी से नेस्डेक 100 जैसे प्रमुख इंडेक्स का हिस्सा बन सकेगी, जिससे इंडेक्स फंड्स से स्वतः निवेश आकर्षित होगा।

एंथ्रोपिक के एआई माडल से फिनटेक पर साइबर खतरा

नई दिल्ली। भारत के वित्तीय सेवा क्षेत्र में एंथ्रोपिक के उन्नत एआई माडल क्लाड मिथोस से जुड़े शुरुआती साइबर सुरक्षा खतरों को महसूस किया जा रहा है। फिनटेक स्व-नियामकीय संगठन फिनटेक एसोसिएशन फार कंज्यूमर एम्पावरमेंट (फेस) ने सबसे पहले इस पर कार्रवाई करते हुए अपने सदस्यों से आवश्यक रक्षात्मक उपाय मजबूत करने का आग्रह किया है। यह कदम ऐसे समय में आया है जब क्लाड मिथोस प्रीव्यू ने साफ्टवेयर कमजोरियों, विशेषकर जीरो-डे वल्नरबिलिटी (जिनके बारे में डेवलपर्स को पहले से जानकारी नहीं होती) की पहचान करने और उनका फायदा उठाने की उल्लेखनीय क्षमता का प्रदर्शन किया है। फेस के सीईओ सुगंध सक्सेना ने सदस्यों को ईमेल भेजकर साइबर सुरक्षा मजबूत करने, संभावित कमजोरियों को दूर करने और खतरों की तत्काल सूचना देने की सिफारिश की है। यह चिंताजनक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी नई तकनीकों की यह क्षमता गलत हाथों में पड़ सकती है, जिससे भारत और दुनिया भर में साफ्टवेयर प्रणालियों की स्थिरता पर गंभीर सवाल उठते हैं। इन चिंताओं के जवाब में, एंथ्रोपिक ने प्रोजेक्ट ग्लास विंग की घोषणा की है, जिसमें एमेजान, ऐपल, गूगल और माइक्रोसाफ्ट सहित एक दर्जन प्रमुख कंपनियां रक्षात्मक सुरक्षा कार्यों के लिए मिथोस का उपयोग करेंगी।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में मामूली गिरावट

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। हालांकि के कारोबार में चांदी मामूली कमजोरी का शिकार हो गया है। शुरुआती कारोबार में सोना 200 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में शुरुआती कारोबार के दौरान 200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की सांकेतिक गिरावट दर्ज की गई है। अंतरारष्ट्रीय बाजार में फिजिकल गोल्ड 0.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,809.16 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह चांदी भी 79.61 डालर प्रति औंस की कीमत पर बिक रहा है।

घरेलू सर्राफा बाजार में कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,55,580 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,56,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,42,610 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आई कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,69,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,55,730 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि

22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,55,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,55,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,56,670 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,43,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,55,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में कमजोरी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान सीमित दायरे में लगातार खरीदारी होती रही। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के कारोबार के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का रुख बना रहा। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,041.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.36 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,102.70 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 48,625.27 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.29 प्रतिशत उछल कर 10,589.99 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.36 प्रतिशत की छलांग लगा कर 24,154.47 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,262.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,217 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.35 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,647.89 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,994.75 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.30 प्रतिशत टूट कर 4,043.45 अंक के स्तर पर आ गया है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी गिरावट नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 309.26 अंक यानी 1.19 प्रतिशत लुढ़क कर 26,085 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.07 प्रतिशत फिसल कर 1,473.92 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 525.34 अंक यानी 0.89 प्रतिशत टूट कर 58,993 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 0.71 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,181.90 अंक के स्तर पर और ताइवान वेटेड इंडेक्स 241.71 अंक यानी 0.66 प्रतिशत फिसल कर 36,890.31 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

विनोद कांबली की तबीयत में हल्का सुधार सचिन सहित पूर्व क्रिकेटर सहायता कर रहे

मुम्बई

गंभीर रुप से बीमार चल रहे भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली की तबियत में हल्की सुधार आया है। इस मुश्किल घड़ी में बचपन के दोस्त सचिन तेंदुलकर सहित कई लोग उनकी सहायता के लिए सामने आये हैं। तेंदुलकर अब एक व्हाट्सएप ग्रुप का हिस्सा बन गए हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य कांबली को आर्थिक और भावनात्मक रुप से सहारा देना है।

इसमें कांबली के पुराने दोस्त मार्कस कूटो भी शामिल हैं। इसके अलावा कई अन्य पूर्व क्रिकेटर भी इससे जुड़े हुए हैं। कूटो ने कहा कि इस व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सदस्य नियमित रूप से कांबली की सहायता कर रहे हैं जिससे उन्हें किसी प्रकार की वित्तीय परेशानी का सामना न करना पड़े।

कूटो ने कांबली की याददाश्त की स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उनके अनुसार, कांबली की याददाश्त कमजोर है, हालांकि यह संतोषजनक बात है कि पिछले छह महीनों में उनकी हालात स्थिर बनी हुई है। उन्हें बहुत सी बातें याद नहीं रहतीं, लेकिन जब कभी कोई विशेष बात उनके दिमाग में आ जाती है, तो वे उसे याद कर लेते हैं। अन्यथा, उनके लिए चीजें याद रखना काफी कठिन हो जाता है। कुल मिलाकर, कांबली की शारीरिक स्थिति अब भी नाजुक बनी हुई है। हालांकि, उनके चलने-फिरने की क्षमता में धीरे-धीरे सुधार देखा जा रहा है, जो एक सकारात्मक संकेत है।

इन सुधारों के बावजूद, डाक्टरों ने कहा है कि अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है। कांबली जिस हालत में है, जिसमें ब्रेन स्ट्रोक का खतरा भी शामिल है। कूटो ने कहा कि कांबली ने शराब पीना छोड़ दिया है हालांकि वह अभी-कभी सिगरेट पी लेते हैं। जो चिंता का विषय बनी हुई है। कूटो ने बताया, वे कभी-कभी बाहर निकलते हैं तो लोगों से सिगरेट मांग लेते हैं। कई लोग खुशी-खुशी उन्हें सिगरेट दे देते हैं, यह सोचकर कि वे कांबली जैसे पूर्व खिलाड़ी की मदद कर रहे हैं, लेकिन उन्हें इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं होता कि अनजाने में वे कांबली के स्वास्थ्य को कितना नुकसान पहुंचा रहे हैं।

इसके बावजूद, कांबली के जीवन में कुछ अच्छे और उम्मीद भरे संकेत भी मिले हैं। वे अब पहले से अधिक आराम से चल पा रहे हैं, और उन्होंने थोड़ा-बहुत पेशेवर काम भी शुरू कर दिया है, जिसमें हाल ही में एक विज्ञापन की शूटिंग शामिल है।

न्यूज़ ब्रीफ

स्टटगार्ट ओपन 2026: रयबाकिना और गाफ क्वार्टरफाइनल में मुचोवा भी आगे बढ़ीं

स्टटगार्ट। जर्मनी में खेले जा रहे स्टटगार्ट ओपन 2026 में शीर्ष वरीयता प्राप्त एलेना

रयबाकिना और मौजूदा फ्रेंच ओपन चैंपियन कोको गाफ ने शानदार जीत दर्ज करते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है।

शीर्ष वरीय कजाखिस्तान की एलेना रयबाकिना ने रूस की डायना श्नाइडर को सीधे सेटों में 6-2, 6-4 से हराया। 26 वर्षीय रयबाकिना ने अपने मजबूत सर्विस गेम के दम पर 1 घंटे 12 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। दूसरे सेट में श्नाइडर ने बेहतर खेल दिखाया, लेकिन अहम मौकों पर की गई डबल फाल्ट्स ने उन्हें पीछे कर दिया, जिसका फायदा रयबाकिना ने उठाया। उन्होंने मैच का अंत अपने नौवें ऐस के साथ किया। अब क्वार्टरफाइनल में उनका मुकाबला लेयला फर्नांडीज या जेनेप सोनमेज में से किसी एक से होगा। दूसरी ओर, दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी अमेरिका की कोको गाफ ने ल्यूडमिला सैमसोनोवा को 7-5, 6-1 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा से होगा। गाफ ने कहा कि उन्होंने क्ले कोर्ट पर अपने खेल को 14 बार के फ्रेंच ओपन चैंपियन राफेल नडाल से प्रेरित किया है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, क्ले कोर्ट के सबसे महान खिलाड़ी राफा हैं। मैं पूरी तरह उनकी तरह नहीं खेलती, लेकिन उनकी तरह फोरहैंड मारने की कोशिश करती हूं।

मनोज तिवारी ने कहा हार्दिक की जगह पर रोहित को फिर कप्तान बनाये मुम्बई इंडियंस

कोलकाता। पूर्व क्रिकेटर और बंगाल की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले मनोज तिवारी ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लगातार खराब प्रदर्शन के लिए कप्तान हार्दिक पांड्या को जिम्मेदार बताते हुए कहा है कि उन्हें कप्तानी स्वयं छोड़ देनी चाहिये जिससे एक बार फिर रोहित शर्मा को कप्तानी दी जा सके। आईपीएल के इस सत्र में मुंबई इडियंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और उसे पांच में से चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इसी के बाद से ही पांड्या प्रशंसकों के निशाने पर हैं। ऐसे में तिवारी का मानना है कि पांड्या को कप्तानी छोड़ देनी चाहिए जिससे रोहित को एक बार फिर टीम की कमान दी जा सके। रोहित की कप्तानी मे टीम ने पांच बार खिताब जीता है। वहीं जब से उन्हें कप्तानी से हटाकर हार्दिक को कप्तानी दी गयी है टीम लगातार हारी है। इस सत्र में भी खराब प्रदर्शन के कारण मुंबई अंक तालिका में नौवें स्थान पर खिसक गयी है। इन चार हार में से तीन मैचों में हार्दिक ने कप्तानी की है, जबकि एक मैच में सूर्यकुमार यादव कप्तान थे। टीम के इस खराब प्रदर्शन और हार्दिक की कप्तानी के लिए मनोज तिवारी ने उनकी आलोचना भी की है।

पंजाब किंग्स के गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने की प्रभसिमरन सिंह की तारीफ, कहा-वो शानदार खिलाड़ी हैं

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मैच नंबर 24 में पंजाब किंग्स ने वानखेड़े स्टेडियम में

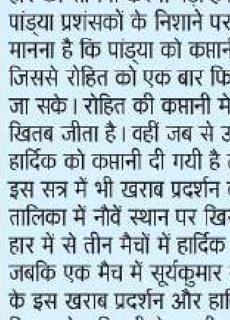

मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 196 रन बनाए, लेकिन पंजाब किंग्स ने 16.3 ओवर में 198/3 बनाकर लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। इस जीत के साथ टीम ने पांच मैचों में नौ अंक लेकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान मजबूत कर लिया है। पंजाब किंग्स के गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने टीम के सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह की जमकर तारीफ की। प्रभसिमरन ने 39 गेंदों में 80 रनों की नाबाद पारी खेली, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 200 से अधिक रहा। बहुतुले ने कहा, प्रभसिमरन एक शानदार खिलाड़ी हैं। उनकी निरंतरता ही उन्हें खास बनाती है। वह हर परिस्थिति के अनुसार खुद को ढालते हैं और टीम को मजबूत शुरुआत दिलाते हैं। पिछले कुछ वर्षों में हमारी लगातार रन बनाने की क्षमता में उनका बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने प्रभसिमरन की सफलता का श्रेय मुख्य कोच रिकी पोंटिंग को भी दिया। बहुतुले ने कहा, ड्रेसिंग रूम में रिकी पोंटिंग की मौजूदगी का सकारात्मक असर हर खिलाड़ी पर दिखता है। श्रेयस अय्यर और प्रभसिमरन ने इसका बेहतरीन फायदा उठाया है। रिकी और श्रेयस की जोड़ी टीम के लिए शानदार है।

टी20 विश्व कप में कनाडा-न्यूजीलैंड मैच में फिक्सिंग के आरोपों की जांच कर रही आईसीसी

दुबई

भारत और श्रीलंका में हुए आईपीसी टी20 विश्वकप के एक मुकाबले में मैच फिक्सिंग के संदेह के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसी) की भ्रष्टाचार विरोधी इकाई (एसीयू) इस मामले की जांच कर रही है। इस मामले में कनाडाई क्रिकेट टीम के कप्तान पर भी आरोप है। इसमें टी20 विश्व कप के दौरान कनाडा के एक मैच में कथित तौर पर मैच फिक्सिंग का दावा किया गया है। इन सनसनीखेज खुलासों का आधार एक डाक्यूमेंटी को बनाया गया है जो हाल ही में प्रसारित हुई थी। इस फिल्म में कनाडा क्रिकेट के प्रशासन और उसके भीतर व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर कई बड़े आरोप लगाए गए हैं।

एसीयू अभी दो सक्रिय मामलों की जांच कर रही है जो क्रिकेट कनाडा के कामकाज और अंतरराष्ट्रीय तथा घरेलू स्तर पर आईसीसी के भ्रष्टाचार विरोधी नियमों के उल्लंघन से जुड़े हैं। मैच फिक्सिंग का सबसे बड़ा आरोप कनाडा और न्यूजीलैंड के बीच हुए विश्व कप मैच से जुड़ा है। इससे न्यूजीलैंड की पारी के पांचवे ओवर पर संदेह जताया गया है। तब कनाडाई कप्तान दिलप्रीत बाजवा गेंदबाजी कर रहे थे। बाजवा को टूर्नामेंट शुरू होने से महज तीन हफ्ते पहले ही कप्तान बनाया गया था। आफ-स्पिनर होने के बाद भी वह समय समय गेंदबाजी करने आये जब तेज गेंदबाजों को गेंदबाजी संभालनी पड़ी। उस समय न्यूजीलैंड का स्कोर 2 विकेट पर 35 रन था पर इस ओवर में उन्होंने कुल 15 रन दिए, जिससे उनकी भूमिका पर संदेह गहरा गया है।

दूसरी जांच पूर्व कोच खुर्रम चौहान की एक टेलीफोन काल रिकार्डिंग से संबंधित है। इस रिकार्डिंग में चौहान दावा कर रहे हैं कि क्रिकेट कनाडा बोर्ड के वरिष्ठ सदस्यों ने उन पर कुछ खास खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में चुनने के लिए दबाव डाला था। यह आडियो पिछले साल लीक हुआ था और तभी से जांच के घेरे में है। रिकार्डिंग में मैचों को फिक्स करने की कोशिशों के भी दावे हैं, हालांकि इनके लिए पक्के सबूत अभी नहीं मिले है। आईसीसी की इंटीग्रिटी यूनिट के अंतरिम महाप्रबंधक एंड्रयू एफग्रेव ने पुष्टि की है कि एसीयू इस कार्यक्रम से अवगत है, लेकिन उन्होंने किसी भी चल रही जांच के तथ्यों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

सीएसके के तेज गेंदबाज खलील अहमद आईपीएल से बाहर हुए, मुकेश या रामकृष्ण को मिल सकता है अवसर

मुम्बई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तेज गेंदबाज खलील अहमद चोटिल होने के कारण आईपीएल के पूरे सत्र से बाहर हो गये हैं। पहले ही ही खिलाड़ियों के चोटिल होने से परेशान सीएसके की मुश्किले अब खलील के बाहर होने से और बढ़ गयी हैं। खलील के बाहर होने से सीएसके की गेंदबाजी कमजोर हुई है। जिसकी भरपाई के लिए अब टीम मुकेश कुमार या रामकृष्ण घोष में से किसी एक को शामिल कर सकती है। सीएसके ने खलील के बाहर होने की पुष्टि की है। फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया में बताया, केकेआर के खिलाफ हाल ही में हुए मुकाबले में दाएं क्वाड्रिसेप्स में खिंचाव के बाद खलील आईपीएल से बाहर हो गए। हम खलील के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। उसे केकेआर की पारी के दौरान अपने रन-अप में परेशानी हुई और अचानक रुकना पड़ा था। शुरुआती तौर पर यह गंभीर ऐंठन का मामला लग रहा था पर बाद में जांच में इसे गंभीर पाया गया। इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया, जिससे उनके साथी खिलाड़ी गुरजपनीत सिंह को ओवर की बची हुई पांच गेंदें फेंकनी पड़ी थीं। इस मामले में खलील को सर्जरी भी करवानी पड़ सकती है। खलील अहमद का मौजूदा टूर्नामेंट से बाहर होना चेन्नई सुपर किंग्स के लिए एक ऐसे समय में आया है जब टीम का गेंदबाजी आक्रमण पहले से ही संघर्ष कर रहा है और कमजोर नजर आ रहा है। उनकी अनुपस्थिति निश्चित रूप से टीम की चुनौतियों को और बढ़ाएगी। टीम पहले से ही कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों से जूझ रही है। कप्तान एमएस धोनी पिंडली की चोट से उबर रहे हैं, जबकि विदेशी तेज गेंदबाज स्पेंसर जानसन स्ट्रेस फ्रैक्चर की समस्या से जूझने के कारण शुरुआती मुकाबलों से बाहर चल रहे हैं। ऐसे में खलील का बाहर होना टीम के संतुलन को और भी प्रभावित करेगा। खलील की जगह लेने के लिए मुकेश सबसे बड़े दावेदार हैं। उन्होंने आईपीएल के 16 मुकाबलों में 17 विकेट लिए हैं। वहीं दूसरे विकल्प रामकृष्ण दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं, जो निचले क्रम में अपनी बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। मौजूदा सीजन में सीएसके का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। टीम ने अब तक कुल 5 मुकाबले खेले हैं, जिनमें से उन्हें 2 में जीत मिली है जबकि 3 में हार का सामना करना पड़ा है। इस हार-जीत के अनुपात के साथ, खलील के बाहर होने से टीम पर अतिरिक्त दबाव आएगा। सीएसके का अगला मुकाबला शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद के साथ होगा।

यूरोपा लीग 2026: एस्टन विला सेमीफाइनल में, नाटिंघम फारेस्ट से होगा आल-इंग्लिश मुकाबला

बर्मिंघम

यूरोपा लीग 2026 में एस्टन विला ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बोलोनिया को 4-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ अब उसका सामना नाटिंघम फारेस्ट से होगा, जिससे टूर्नामेंट में एक आल-इंग्लिश सेमीफाइनल तय हो गया है। कोच उनाई एमरी की टीम ने दो मैचों के आधार पर 7-1 से बड़ी जीत दर्ज करते हुए लगातार तीन सीजन में दूसरी बार यूरोपीय सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

मैच में ओली वाटकिंस ने 16वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। यह उनका क्लब के लिए 100वां गोल भी रहा। इसके बाद एमिलियानो बुएंदिया, मार्गन रोजर्स और एजरी कान्सा ने गोल कर जीत को एकतरफा बना दिया।

फारेस्ट भी अंतिम चार में नाटिंघम फारेस्ट ने पोर्टो को 1-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। टीम ने कुल स्कोर 2-1 से जीत दर्ज की। मार्गन गिब्स-व्हाइट ने 12वें मिनट में निर्णायक गोल किया। मैच में पोर्टो के जान बेडनारेक को रेड कार्ड दिखाया गया, जिससे टीम को बड़ा नुकसान हुआ। फ्रीबर्ग और ब्रागा भी सेमीफाइनल में फ्रीबर्ग ने सेल्टा विगो को 3-1 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। कुल स्कोर 6-1 रहा। इगोर मातानोविच और युइतो सुजुकी ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। अब फ्रीबर्ग का सामना ब्रागा से होगा, जिसने रियल बेटिस को 4-2 से हराकर शानदार वापसी की। कान्फ्रेंस लीग में क्रिस्टल पैलेस आगे कान्फ्रेंस लीग में क्रिस्टल पैलेस ने फियोरेंटिना से 1-2 से हारने के बावजूद कुल 4-2 से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बनाई। अब उसका मुकाबला शख्तर दोनेत्स्क से होगा। इटली के क्लबों का खराब प्रदर्शन इस सीजन में इटली के क्लबों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। बोलोनिया और फियोरेंटिना के बाहर होने के बाद सात साल में पहली बार कोई भी इतालवी क्लब यूरोपीय प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में नहीं पहुंचा।

मेसी पर इवेंट प्रमोटर ने 70 लाख डालर का मुकदमा दायर किया

मियामी। अर्जेंटीन के स्टार फुटबालर लियोनेल मेसी कानूनी शिकंजे में फंस गये हैं। एक इवेंट प्रमोटर ने अनुबंध को तोड़ने के लिएए मेसी पर मुकदमा दायर किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार मियामी स्थित एक इवेंट प्रमोटर ने उन पर पिछले साल एक प्रदर्शनी मैच में अपनी उपस्थिति दर्ज न कराकर 70 लाख डालर (लगभग 58 करोड़ रुपये) के अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया है। इससे मैसी विवादों में फंस गये हैं। विड म्यूजिक ग्रुप नामक इस प्रमोटर ने पिछले महीने मियामी-डेड सर्किट कोर्ट में मेसी और अर्जेंटीना फुटबाल संघ (एएफए) दोनों के खिलाफ धोखाधड़ी और अनुबंध के उल्लंघन का गंभीर आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया था। इस मामले में मेसी या एएफए की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या टिप्पणी सामने नहीं आई है, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। मेसी को विश्व के महानतम फुटबाल खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। अपनी असाधारण प्रतिभा और अद्वितीय खेल कौशल के कारण, वह मेजर लीग साकर क्लब इंटर मियामी और अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम दोनों के लिए एक अमूल्य खिलाड़ी हैं।

ईरानी महिला फुटबाल खिलाड़ियों ने आस्ट्रेलिया सरकार का जताया आभार, सुरक्षित माहौल में करियर फिर शुरू करने की जताई इच्छा

मेलबर्न

ईरान की महिला फुटबाल खिलाड़ी फातेमेह पसांदीदेह और अतेफेह रमेजानिसादेह ने आस्ट्रेलिया सरकार का आभार जताते हुए कहा है कि उन्हें यहां सुरक्षित ठिकाना' मिला है और वे अपने जीवन को फिर से व्यवस्थित करने के बाद खेल करियर दोबारा शुरू करना चाहती हैं।

मानवीय वीजा मिलने के बाद अपनी पहली सार्वजनिक प्रतिक्रिया में दोनों खिलाड़ियों ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा कि उन्हें मिली सहानुभूति और समर्थन ने सुरक्षित भविष्य की उम्मीद जगाई है, जहां वे बिना डर के रह और खेल सकें।

उन्होंने कहा, हम आस्ट्रेलिया सरकार, विशेष रूप से गृह मामलों के मंत्री टोनी बर्क का तहे दिल से धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने हमें मानवीय सुरक्षा और इस खूबसूरत देश में सुरक्षित स्थान प्रदान किया।

दरअसल, आस्ट्रेलिया ने एशियन कप के दौरान ईरानी टीम के छह खिलाड़ियों और एक सपोर्ट स्टाफ को मानवीय वीजा देने का निर्णय लिया था। यह कदम उस समय उठाया गया जब संयुक्त राज्य अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हवाई हमले किए गए थे, जिससे खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई थी।

हालांकि, इस समूह के पांच सदस्य बाद में अपना निर्णय बदलकर ईरान लौट गए, जबकि फातेमेह पसांदीदेह और अतेफेह रमेजानिसादेह आस्ट्रेलिया में ही रुक गईं।

दोनों खिलाड़ी पिछले महीने से ए-लीग महिला टीम ब्रिस्बेन रोअर के साथ प्रशिक्षण ले रही हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल उनका ध्यान अपनी सुरक्षा, स्वास्थ्य और जीवन को फिर से पटरी पर लाने पर है।

उन्होंने आगे कहा, हम पेशेवर खिलाड़ी हैं और आस्ट्रेलिया में अपने खेल करियर को जारी रखना हमारा सपना है।

ईरानी खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता तब बढ़ी थी, जब एशियन कप के एक मैच के दौरान कुछ खिलाड़ियों ने राष्ट्रगान नहीं गाया था, जिसके बाद ईरानी सरकारी टीवी ने उन्हें युद्धकालीन गद्दार' तक करार दिया था।

गौरतलब है कि टीम के अन्य खिलाड़ी पिछले महीने तुर्की सीमा के रास्ते कठिन यात्रा के बाद ईरान लौट गए थे।

डी काक आईपीएल में तीन अलग-अलग टीमों से शतक लगाने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बने

मुम्बई

इंडियान प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और उसे अब तक केवल एक पांच में से एक ही मैच में जीत मिली है। गत दिवस पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी उसे हार का सामना करना पड़ा था हालांकि इस मैच में टीम के सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे क्विंटन डी काक ने शानदार शतक लगया था। डी काक के नाम इस शतक के साथ ही एक अनौखा रिकार्ड दर्ज हो गया है। वह तीन अलग-अलग टीमों से शतक लगाने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बन गये हैं।

मुंबई इंडियंस से पहले, उन्होंने लखनऊ सुपर जाएंट्स और दिल्ली डेयरडेविल्स (जो अब दिल्ली कैपिटल्स है) के लिए भी शतक बनाए थे। उनकी यह हैट्रिक दिखाती है कि कि वह अलग-अलग आईपीएल टीमों से भी बेहतर प्रदर्शन करते आये हैं।

इसके अलावा डी काक आईपीएल में बतौर विकेटकीपर भी तीन शतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी बने हैं। ये उपलब्धि उन्हें लीग के सबसे मूल्यवान खिलाड़ियों में से एक बनाती है। डी काक से संजू सैमसन ने ये रिकार्ड बनाया था। सैमसन ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए इस सत्र में जबकि इससे पहले राजस्थान रायल्स और दिल्ली डेयरडेविल्स के लिए भी शतक लगाये थे। वहीं, केएल राहुल आईपीएल में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी थे, जिन्होंने पंजाब किंग्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते हुए शतक लगाये हैं।

आईपीएल के बाहर भी डी काक ने अपने टी20 क्रिकेट करियर में भी एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पंजाब किंग्स के खिलाफ लगाया गया यह शतक उनके टी20 करियर का नौवां शतक था, जिसके साथ ही वह विराट कोहली के शतकों की बराबरी पर आ गये हैं।

जयवर्धने ने माना मुम्बई को गेंदबाजी में सुधार की जरुरत पर, बुमराह का बचाव किया

मुम्बई। मुंबई इंडियंस क्रिकेट टीम के मुख्य कोच माहेला जयवर्धने ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली करारी हार के बाद माना है कि उनकी टीम के गेंदबाजी उम्मीद के अनुरुप नहीं रही है। ऐसे में उसे सुधार की जरुर है। इस सत्र में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी खराब प्रदर्शन के कारण निशाने पर हैं पर कोच ने उनपर अपना पूरा भरोसा जताया है। जयवर्धने ने कि कि यह किसी एक खिलाडी की नहीं, बल्कि पूरी गेंदबाजी इकाई की जिम्मेदारी है कि वे अपने प्रदर्शन में सुधार करें। उन्होंने माना है कि टीम का गेंदबाजी आक्रमण एक इकाई के तौर पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है, जिससे विरोधी टीमें बड़े स्कोर बनाने में सफल रही हैं। बुमराह, जो इस आईपीएल सीजन में लगातार पांच मैचों में विकेट लेने में असफल रहे हैं, पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में भी बुमराह ने चार ओवर मे 41 रन दिये जिससे मुंबई 196 रनों के लक्ष्य का बचावा नहीं कर पायी। मैच के बाद जयवर्धने ने कहा कि बुमराह अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं पर टीम पावरप्ले में विरोधी बल्लेबाजों पर दबाव नहीं बना पा रही जिससे उन्हें विकेट नहीं मिल रहे। उन्होंने यह भी माना कि विपक्षी टीमें यह जानती हैं कि बुमराह के खिलाफ अधिक जोखिम लेने की आवश्यकता नहीं है कोच ने ये भी कहा कि आईपीएल की शुरुआत में बुमराह को हल्की चोट लगी थी, लेकिन अब वह पूरी तरह ठीक हैं और पिछले कुछ मैचों में उनकी गति में भी सुधार हुआ है। उन्होंने का कि इसमें किस्मत की भी बात रहती है। जयवर्धने ने इस बात पर जोर दिया कि असली मुद्दा टीम की गेंदबाजी इकाई का एक साथ मिलकर प्रदर्शन न कर पाना है।

लाइलाज बीमारियों को दूर करते हैं पपीते के बीज

पपीता स्वस्थ्य गुणों से भरपूर होता है। इसके स्वास्थ्य लाभ से हर कोई परिचित हैं, परन्तु पपीते के बीज के अनूठे स्वास्थ्य लाभ के विषय शायद ही कोई जानता हो बहुत सारे लोग यह नहीं जानते कि पपीते के बीज भी खाने-योग्य होते हैं और इसके अनेक स्वास्थ्य लाभ हैं। पपीते के बीज को उपयोग में लाने का सबसे बढ़ीया तरीका इन्हें सुखाकर फिर पीस कर, किसी कंटेनर में भविष्य में प्रयोग हेतु रखना है।

पपीते के बीज के बहुत प्रकार के लाभ है। पपीते के बीज प्रदाहनाशी एवं ऐंटीबैक्टीरियल होने के कारण पाचन तंत्र, गुर्दा एवं जिगर के स्वास्थ्य हेतु उत्तम माने जाते हैं।

पपीते के बीजों का फायदा

लीवर सिरोसिस का उपचार

पपीते के बीज सूत्रण रोग का प्राकृतिक उपचार है। नींबू के रस के साथ पपीते के बीज का लगातार 2 महीने सेवन करने से सूत्रण रोग ठीक हो जाता है।

वायरल इंफैक्शन

पपीते के बीज विषाणुरोधी होने के कारण छोटे-मोटे वायरल इंफैक्शन को आसानी से ठीक कर देते हैं।

कैंसर

इसके बीजों में मौजूद घटक कैंसर और एवं टयूमर जैसी बीमारियों के विकास को रोक देते हैं। पपीते के बीज मलाशय, लयूकेमिया, पौरुष ग्रंथि और कैंसर-उपचार में सक्षम हैं।

किडनी

गुर्दे की बीमारियों के उपचार में भी पपीते के बीज का प्रयोग किया जाता है। यह गुर्दे की कार्यप्रणाली को बाधित होने से रोकने में समर्थ हैं।

गठिया रोग में लाभदायक

पपीते के बीज के प्रदाह्नशक गुण गठिया एवं जोड़ों के बीमारियों के उपचार के लिए भी अति उत्तम माने जाते हैं।

एप्पल का ग्लास फोन

क्या आपने कभी ग्लास वाले स्मार्टफोन के बारे में सोचा है। ऐसा स्मार्टफोन जो पूरी तरह से ग्लास से बना हो । अब तक जो स्मार्टफोन देखने को मिले हैं, वे मेटल और प्लास्टिक से मिलकर बने होते हैं। लेकिन आगे आने वाले तकनीक में कुछ नया होगा। अमेरिकी स्मार्टफोन निर्माता कंपनी एप्पल एक ऐसा स्मार्टफोन लेकर आने वाली है, जो पूरी तरह ग्लास से बना होगा। इस कांसेप्ट को सुनकर ही आपको हैरत हो रही होगी, लेकिन ये पूरी तरह सच है। एप्पल ने इस ग्लास फोन का डिजाइन बना लिया है, जो जल्द ही मार्केट में पेश होने वाला है।

फेसबुक का शानदार तोहफा...

फेसबुक ने हिंदी प्रेमियों को एक शानदार तोहफा दिया है। फेसबुक ने एक टूल लॉन्च किया है, जिसके जरिये हिंदी में टाइप करना आसान हो जाएगा। फेसबुक ने कहा कि हम अब एंड्रॉयड फोन्स के लिए फेसबुक एप के अंदर एक हल्के वजन का हिंदी एडिटर पेश कर रहे हैं। फेसबुक के मुताबिक- जब एप की सेटिंग ऑन कर दी जाएगी, तब आप बार में मौजूद एक बटन के जरिए अपनी ताजा सूचना और टिप्पणियां टाइप कर सकते हैं। यह रोमन अक्षरों को खुद ही देवनागरी लिपि में परिवर्तित कर देगा। बयान में आगे कहा गया है, जब लोग इसका प्रयोग करते हैं, तब अक्षर अंग्रेजी में टाइप होते हैं और वह देवनागरी लिपि में बदल जाता है।

महिलाओं के लिए सहायक एप्स

स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वाली लड़कियां और महिलाएं अपने में काफी कुछ कर सकती हैं। खास महिलाओं के लिए कुछ एप्स भी मौजूद हैं। इन एप्स की मदद से महिलाएं अपने रोज के काम को और आसानी से पूरा कर सकती हैं। ये एप्स उनकी प्राइवेट लाइफ को प्राइवेट ही रहने देती हैं। बस आपको इन एप्स को अपने फोन में रखना है और ये एक अच्छे साथी की तरह आपकी मदद करेंगे।

महिलाएं चाहे कामकाजी हों या हाउस वाइफ हर दिन के टास्क से उन सभी को गुजरना होता है। जिसे वे अनदेखा नहीं कर सकती हैं। तो ऐसे में कुछ एप्स आपके लिए बेहतर विकल्प हैं जो उनको इन डेली टास्क में मदद करते हैं। अपनी सुरक्षा को लेकर हर कोई कंसर्न रहता है, खासकर जब महिलाएं पब्लिक ट्रांसपोर्ट या किराए पर लिए कैब आदि में ट्रेवल कर रहीं हों। इसलिए एक सेफ्टी एप बेहद जरूरी है। इस एप की मदद से वे अपनी लोकेशन और डेस्टिनेशन व अन्य डिटेल्स किसी भी कांटेक्ट के साथ शेयर कर सकती हैं। इससे पूरी जानकारी जिन भी लोगों से वे शेयर करें उन्हें मालूम हों।

एवर नोट

किसी के लिए भी यह मुमकिन नहीं है कि उन्हें हर चीज याद हो। इसलिए अब एवर नोट एप की मदद से महिलाएं अपने प्लान, टू-डू लिस्ट आदि को मैनेज कर सकती है। हर चीज को नोट किया जा सकता है।

बिग बास्केट

बिग बास्केट डाउनलोड करें। यह एक ऐसा एप है जो हर महिला के काम आता है। इस एप के जरिए महिलाएं किचन का सारा सामान घर बैठे बैठे ला सकती हैं। जो सामान चाहिए उसे आर्डर कर दीजिए। अब कभी महिलाएं घर पर हों, और उनको पता चले कि कोई जरुरी सामान खत्म हो गया है तो वे उसे मिनटों में बिना घर से बाहर निकलें आर्डर कर सकती हैं।

बुक माय शो

बुक माय शो डाउनलोड करने से महिलाओं को किसी की मदद लेने की जरुरत नहीं है। वे खुद ही अपने लिए मूवी टिकेट बुक कर सकती हैं, तो डाउनलोड कीजिए ये एप तुरंत!

रोपोसो

रोपोसो एप के साथ महिलाएं रहेंगी फैशन में भी अपडेट। साथ ही वे अपने फैशन आईडिया अन्य महिलाओं के साथ शेयर भी कर सकती हैं।

पीरियड ट्रैकर

पीरियड ट्रैकर हर महिला और लड़की के लिए यह इम्पोर्टेन्ट है। चाहे न चाहें ये बिन बुलाए मेहमान हर महीने दस्तक देते हैं। तो अच्छा है कि इसका एक ट्रैक रखें और यह एप उन्हें इसी काम में मदद करती है।

मायपिल

यदि महिलाएं पिल को समय पर लेना भूल जाएं तो! जाहिर है वे ऐसा नहीं चाहेंगी। यह एप उनको याद दिलाएगी कि उन्हें पिल कब किस समय पर लेनी है।

यम्मी रेसिपीज एंड शॉपिंग लिस्ट

हर दिन वही खाना बना बना कर महिलाएं बोर हो जाती है तो लीजिए यह एप उनके लिए लाता है नई और शानदार व्यंजनों की रेसिपीज।

टॉयलेट फाइंडर

जब महिलाएं घर से बहार हों तो ऐसा कई बार होता है कि वे नेचर कॉल इग्नोर नहीं कर सकती हैं। लेकिन पब्लिक टॉयलेट कहां है यह कैसे पता चलेगा! चलिए उनके लिए ले आया है एक नया एप जो अब जरुरत के समय पर उनके लिए टॉयलेट ढूंढेगा।

फॉलो करें फेसबुक के ये रूल्स...

फेसबुक एक कमाल का सोशल मीडिया है। इसके जरिए हम अपने दोस्तों व करीबियों से जुड़े रहते हैं। उन लोगों से भी कनेक्टेड रहते हैं जिनसे हम सालों मिल नहीं पाते हैं। स्कूल के पुराने दोस्त, साथियों सभी से हम फेसबुक पर जुड़ें रह सकते हैं। साथ ही जो ब्रांड्स हमें पसंद हैं उनके अपडेट्स भी हमें फेसबुक के जरिए मिलते रहते हैं। लेकिन इन सबके अलावा फेसबुक पर कुछ ऐसे लोग भी होते हैं जो हर दो मिनट में कुछ न कुछ पोस्ट करते हैं, और उसमें हमें टैग भी करते हैं। इतना ही नहीं कुछ तो हर चीज फेसबुक पर अपडेट करते हैं, वो क्या खाते हैं, कहांजाते हैं, क्या कर रहे हैं, यह सब पूरी दुनिया को बताते हैं। कई बार तो हम फेसबुक को एक गलत कदम समझ लेते हैं, लेकिन इन सब की आदत डालना जरुरी नहीं। आइए नजर डालते हैं सोशल मीडिया के उन बातों पर जो आप बेशक नजरअंदाज करना चाहेंगे।

प्रमोशन के लिए इस्तेमाल

आपने हाल ही में कोई बिजनेस स्टार्ट किया है और आप उसे फेसबुक पर प्रमोट करते रहते हैं.? यदि हां, तो ऐसा बिल्कुल मत करिए। भले ही आपके दोस्त आपके लिए आपके नए काम के लिए खुश हों लेकिन हर दिन कोई भी आपके बिजनेस के बारे में जानना नहीं चाहता। इसके लिए आप एक अलग पेज बना सकते हैं। और फिर अपने दोस्तों को इनविटे भेज सकते हैं।

बच्चों के बारे में पोस्ट

अपने बच्चों के बारे में पोस्ट करना आप अपने बच्चों से प्यार करते हैं, सब करते हैं। आपके बच्चे जब भी कुछ नया करें तो वो आपके काफी खास होता होगा। लेकिन आपको समझना होगा कि आपसे ज्यादा प्यार उन्हें आपके फेसबुक फ्रेंड्स नहीं करते हैं। यही कारण है कि वो बार बार बच्चों के अपडेट नहीं देखना चाहते हैं, तो आप ऐसा करना अवॉयड करें।

दोस्तों को टैग करना

कई लोगों की आदत होती है कि वो अपनी फोटोज में दोस्तों को टैग कर देते हैं, जबकि दोस्तों का उससे कोई लेना-देना भी नहीं होता। साथ ही कुछ लोग केवल अपनी फोटो अच्छी आने पर उसे पोस्ट कर देते हैं भले ही उसमें बाकी दोस्त अच्छे नहीं दिख रहे हों और इसके बाद भी टैग कर देते हैं। यदि आप भी उन लोगों में से हैं तो यह आदत छोड़ दें।

निजी बातें अपडेट करना

कॉलेज में किसी दोस्त से बहस हो जाए या आपको जॉब का अच्छा ऑफर आया हो ये सभी आपके और आपके अपनों के लिए खास हो सकता है लेकिन फेसबुक पर हर कोई इसमें दिलचस्पी नहीं रखता है। इसलिए इससे बेहतर होगा कि आप फोन करके अपने घरवालों ये खुशी की बात बताएं।

मैसेंजर की तरह इस्तेमाल

यदि आपको अपने दोस्त से कुछ बात करनी है तो आप उसे पर्सनल मैसेज कर सकते हैं, उसे वाल पर पोस्ट करना सही तरीका नहीं है।

गेम रिक्वेस्ट

आपको भले ही फेसबुक पर कैंडी क्रश या अन्य गेम पसंद, लेकिन दूसरों को नहीं, तो प्लीज गेम की रिक्वेस्ट भेजना बंद करें।

हर दो मिनट में स्टेटस

आप मूवी जा रहे हैं, शॉपींग कर रहे हैं या जिम के लिए निकल रहे हैं ये सब अच्छा है लेकिन हर दो मिनट फेसबुक अपडेट करना, आपके दोस्तों को परेशान कर सकता है।

वॉट्सएप के खुफिया फीचर्स

वॉट्सएप के कुछ खास खुफिया फीचर्स हैं जो आपको जरूर जानना चाहिए। यहां हम आपको इन्ही फीचर्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

असली नंबर दिए बिना चैट

अगर आप किसी व्यक्ति को अपना असली नंबर दिए बिना चैट करना चाहते हैं तो यह भी मुमकिन है। वॉट्सऐप की सेटिंग्स में और अकाउंट में चेंज नंबर के ऑप्शन पर क्लिक करें। यहां नया नंबर डालकर वेरिफाई कर दीजिए। वेरिफिकेशन कोड आपके मौजूद नंबर पर भेजा जाएगा। दरअसल वॉट्सऐप का नंबर सिर्फ डिस्प्ले का नंबर है। आप चाहें तो वॉट्सऐप के लिए एक बंद नंबर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

ग्रुप को म्यूट करना

अगर किसी वॉट्सऐप ग्रुप के मैसेज आपको परेशान कर रहे हैं तो आप थोड़े समय के लिए उस ग्रुप के मैसेज के रिंगटोन को म्यूट कर सकते हैं। कितनी देर के लिए म्यूट करना है, वो आप तय कर सकते हैं। बस मेनू बटन पर क्लिक कीजिये और म्यूट चुन लीजिए। जितने समय के लिए आप ग्रुप को म्यूट करना चाहते हैं वो भी चुन लीजिए।

लास्ट सीन नोटिफिकेशन छिपाना

वॉट्सऐप इस्तेमाल करने वाले यूजर्स दूसरे यूजर को दिखने वाली लास्ट सीन नोटिफिकेशन छिपा सकते हैं यानी अब अगर यूजर चाहे तो किसी को पता नहीं चलेगा कि उसने पिछली बार वॉट्सऐप कब खोला था। ये फीचर नए अपडेट वॉट्सऐप में प्राइवेसी सेटिंग्स में मिलेगा।

चैट को आर्काइव करना

आप अपने चैट को आर्काइव कर सकते हैं और बाद में जब चाहें उसे पढ़ सकते हैं। जिस चैट को आप अर्काइव करना चाहते हैं उस पर टैप कीजिए और उसके बाद आर्काइव चैट को चुन लीजिए। अगर आप चाहें तो सभी चैट को भी आर्काइव कर सकते हैं। बस चैट सेटिंग्स पर टैप कीजिए और उसके बाद आर्काइव आल चैट्स चुन लीजिये। इसका इस्तेमाल करने से आपके एसडी कार्ड पर चैट बैकअप नहीं होता है और न ही डिलीट होता है।

चैट हेल्पर एंड्रायड

चैट हेल्पर एंड्रायड स्मार्टफोन के लिए एक विजेट है जो आपकी स्क्रीन पर वॉट्सऐप के स्क्रीन को फ्लोट करने में मदद करता है। यानी वॉट्सऐप मैसेज अब पूरी स्क्रीन पर नहीं दिखाई देगा पर एक विजेट, जिसे आप स्क्रीन पर किसी भी हिस्से में रख सकते हैं, उस पर दिखाई देगा। ऐप को इनेबल करने के बाद विजेट स्मार्टफोन की स्क्रीन पर आ जाएगा। गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करके इसे स्मार्टफोन पर इनस्टॉल कर लीजिए।

मैसेज पढ़ा कब

स्क्रीन पर जो ब्लू टिक आता है उसका मतलब है जिसको आपने मैसेज भेजा है उसने मैसेज पढ़ लिया। कई बार ऐसा होता है कि मैसेज डिलीवर हो जाता है लेकिन जिसे भेजा वह उसे पढ़ता नहीं है। अगर आप जानना चाहते हैं कि मैसेज कब पढ़ा गया तो जो मैसेज आपने भेजा है उसे थोड़ी देर के लिए प्रेस कीजिए। उससे आपको पता लग जाएगा कि मैसेज पढ़ा कब गया था।

यह जानना जरूरी

यह जानना हमेशा बढ़िया होता है कि मोबाइल डेटा को आटोमैटिक डाउनलोड पर नहीं रखना चाहिए। सेटिंग्स के बाद चैट सेटिंग्स और उसके बाद मीडिया ऑटो डाउनलोड में जाकर आप बॉक्स से टिक मार्क हटा दें तो ये बंद हो जाएगा। अगर आप चाहें तो ये सिर्फ वाई-फाई जोन में रहने पर ही डाउनलोड होगा।

लंबे समय तक अच्छी सेहत के लिए छोड़ें आलस

मेटाबॉलिज्म, यानी डाइजेशन प्रॉसेस। खाने को एनर्जी में बदलने का काम मेटाबॉलिज्म ही करता है। इसलिए इसका सही तरीके से काम करते रहना बहुत जरूरी है। लेकिन अक्सर हम कई ऐसी छोटी-बड़ी गलतियां कर देते हैं, जिससे इसके नेगेटिव इफेक्ट्स पड़ने लगते हैं। जानेंगे इनके बारे में ताकि इसमें सुधार किया जा सके..

नींद बिगाड़े काम

क्या गलती हो जाती है- रोजाना सुबह आप एक तय समय पर उठते हैं, लेकिन छुट्टी वाले दिन यह समय बदल जाता है।

समस्या क्या है- इसे ह्यस्लीप हायजीनह्व के नाम से जाना जाता है। न केवल समय में बदलाव, बल्कि बराबर नींद न ले पाने से भी डाइजेशन पर असर पड़ सकता है। मशहूर मेडिकल जर्नल में छपे एक स्टडी के मुताबिक - केवल एक दिन की खराब या कम नींद शरीर की ह्यसर्काडियन रिदमह्व को इफेक्ट कर सकती है। सर्काडियन रिदम हमारी नींद डिसाइड करती है और बॉडी के मेटाबॉलिज्म को भी सही रखने में मदद करती है। **समाधान-** हफ्ते भर रात 10 बजे सोने और सुबह 6 बजे जाग जाने, लेकिन छुट्टी के दिन रात 2-3 बजे तक जागने और सुबह देरी से उठने की आदत छोड़ दें। रोजाना एक ही टाइम पर सोइए और बिस्तर छोड़िए। छुट्टी वाले दिन पॉसिबल न हो, तो कम से कम रोज वाले समय को जरूर फॉलो करें।

पानी पीने का न रहा ध्यान

क्या गलती हो जाती है- आधा दिन बीत चुका है, लेकिन आपको खबर ही नहीं कि आपने अब तक कितना पानी पिया!

समस्या क्या है- बॉडी द्वारा किया गया कोई भी काम, जिसमें एनर्जी की खपत होती है, जैसे खाना पचाना, मसल्स का संकुचन, शरीर से मल व गंदगी को बाहर निकालना आदि में से कई जरूरी कामों में हाइड्रेशन भी एक अहम भूमिका निभाता है। हाइड्रेशन, यानी शरीर में पानी की संतुलित मात्रा का होना। यदि आप कम पानी पिएंगे, तो शरीर इन कामों को धीमी गति से करेगा या सही तरीके से नहीं कर पाएगा, जिसका सीधा-सीधा असर डाइजेशन पर पड़ेगा। **समाधान-**भरपूर पानी न पीने का संकेत शरीर कई तरह से देता है। जैसे- अचानक सिरदर्द होना, थकान महसूस होना, पेशाब गहरे पीले रंग की होना आदि। ऐसा हो तो समझ जाएं कि आप पानी उचित मात्रा में नहीं पी रहे हैं। इससे बचने के लिए अपने पास हर वक़्त एक पानी की बोतल रखें। बोतल पर तयशुदा अंतराल का ध्यान रखते हुए निशान लगा दें। पानी पीना भी याद रहेगा और मात्रा भी संतुलित रहेगी। चाहें तो इस काम के लिए फोन अलार्म/रिमाइंडर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**